Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 342 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, गुरुवार 18 जून 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

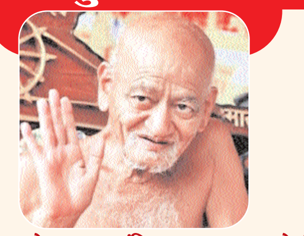

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना से छग के विकास और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी नई शक्ति : साय

- 755 करोड़ की परियोजना को मंजूरी देने पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति जताया आभार*

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भारतीय रेल द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत ?755 करोड़ की लागत से चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दिए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ के विकास, औद्योगिक प्रगति और देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में रेल अधोसंरचना का निरंतर विस्तार

हो रहा है, जिससे विकास को नई गति मिल रही है।

उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरा होने पर यात्री सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। अतिरिक्त रेल लाइन उपलब्ध होने से ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुचारु होगी, परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी तथा भविष्य में अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे आम नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक रेल सेवाएं प्राप्त होंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कोरबा देश की ऊर्जा राजधानी के रूप में महत्वपूर्ण पहचान रखता है और यहां से देश के विभिन्न हिस्सों तक कोयले की आपूर्ति होती है। चांपा-कोरबा रेल खंड साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) तथा महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की खदानों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस परियोजना के पूर्ण होने से कोयला परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक आधार और अधिक मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में तीसरी रेल लाइन का निर्माण भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया दूरदर्शी निर्णय है। इससे अतिरिक्त माल परिवहन को सुगम बनाया जा सकेगा और रेल परिचालन अधिक दक्ष एवं प्रभावी होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परियोजना केवल कोयला परिवहन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी व्यापक लाभ मिलेगा। बेहतर रेल संपर्क से उद्योगों को मजबूती मिलेगी, निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी, व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार होगा तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे कोरबा, जांजगीर-चांपा सहित आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति को नई ऊर्जा प्रदान करेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जी 7 शिखर सम्मेलन

पीएम मोदी ने दिया दुनिया को नया रोडमैप अब डोनाल्ड ट्रंप से होगी अहम बातचीत

एवियन। फ्रांस के एवियन में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में भारत एक बार फिर वैश्विक चर्चाओं के केंद्र में नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां दुनिया के सामने आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी को लेकर नया प्रस्ताव रखा। वहीं उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली द्विपक्षीय बैठक पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास नजर बनी हुई है। जी7 नेताओं, साझेदार देशों और प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ होने वाले वर्किंग लंच से पहले प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि दोनों नेता आर्थिक विकास, सप्लाई चेन, एआई (द्ब), निवेश सहयोग और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। जी7 के आउटरीच सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक व्यापार और कनेक्टिविटी को नई दिशा देने के लिए 'इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलेरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड' बनाने का प्रस्ताव रखा।

पीएम मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज की अहम मुलाकात

पीएम मोदी ने फ्रांस के एवियन में आयोजित जी 7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात थी। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, निवेश और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने भारत और जर्मनी के बीच चल रहे सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और इस बात पर संतोष जताया कि भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिली है।

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सदस्य सुमित्रा दहिया का छत्तीसगढ़ में दो दिवसीय दौरा संपन्न

कम तेल की थाली लाएगी भारत में स्वास्थ्य व खुशहाली : सुमित्रा दहिया

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान कम तेल की थाली, स्वस्थ भारत की खुशहाली को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहा है । इसी कड़ी में जागरुकता लाने के संबंध में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सदस्य सुमित्रा दहिया ने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा किया।

दौरे के प्रथम दिवस सुश्री दहिया बसना पहुँची जहाँ उन्होंने स्थानीय विधायक संपत अग्रवाल और महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के साथ बसना महिला मोर्चा की टीम से संवाद किया। उन्होंने महिला मोर्चा की बहनों से चाय पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम के विषय में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की महिलाओं से आह्वान किया है- कम तेल की थाली, स्वस्थ भारत की खुशहाली। इस आह्वान को हमें राष्ट्रव्यापी अभियान बनाना है, इसे लेकर घर घर जाना है और देश की महिलाओं को जागरूक करना है । इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को कम तेल वाले संतुलित आहार के फायदे बताना और खान-पान में खाद्य तेल की कम खपत के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न चिन्हांकित स्थानों पर शिविर और लाइव कुकिंग कार्यशाला आयोजित की जानी है ।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सदस्य सुमित्रा दहिया ने कहा कि अधिक खाद्य तेल का उपयोग उच्च कोलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय संबंधित बीमारियों को जन्म देता है। कम खाद्य तेल का उपयोग करके भी हम स्वादिष्ट भोजन बना सकते हैं। इस हेतु भोजन निर्माण कार्यशाला आयोजित की जानी है। सुश्री दहिया ने विश्वास जताया कि आप इस अभियान को घर घर पहुँचाने में पुरजोर परिश्रम करेंगे और अभियान को अभूतपूर्व रूप से सफल बनाएंगे।

हाईटेक होगी बंगाल पुलिसः शुभेन्दु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस अब नए मोड में नजर आएगी। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने ऐलान किया कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के साथ महत्वपूर्ण स्र्ष्य को मंजूरी दे दी है, जिससे पुलिसकर्मियों को साइबर क्राइम, डिजिटल फोरेंसिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डार्क वेब मॉनिटरिंग और आतंकवाद-रोधी अभियानों जैसे अत्याधुनिक विषयों में प्रशिक्षण मिलेगा। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकार पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि नवंबर 2025 में मिला यह प्रस्ताव वर्षों तक लंबित पड़ा रहा।

रावघाट रेलखंड पर तकनीकी ट्रायल शुरू यात्री ट्रेन संचालन की दिशा में बड़ा कदम

दल्लीराजहरा(विश्व परिवार)। रावघाट रेल परियोजना ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। रावघाट रेलखंड पर 17 जून 2026 को नियंत्रित गति और सीमित भार के साथ तकनीकी ट्रायल शुरू किया गया। परीक्षण के दौरान 58 बॉक्स एन (बीओएक्सएन) वैगनों वाली मालगाड़ी रेक का उपयोग किया गया। यह ट्रायल आगामी दिनों में विभिन्न चरणों में जारी रहेगा, जिसके माध्यम से रेल लाइन की परिचालन क्षमता, संरचनात्मक सुरक्षा तथा तकनीकी मानकों का आकलन किया जाएगा। इस प्रगति के साथ बहुप्रतीक्षित रावघाट रेल परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंचती दिखाई दे रही है।

परियोजना के अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। वर्तमान में रावघाट स्टेशन भवन, यात्री सुविधाओं तथा सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणाली से संबंधित कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार जुलाई 2026 के अंत तक स्टेशन परिसर के शेष कार्य भी पूरे होने की संभावना है। इसके बाद रेल संरक्षा आयुक्त (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) द्वारा निरीक्षण एवं सुरक्षा स्वीकृति की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार तकनीकी ट्रायल का उद्देश्य रेलखंड की परिचालन तैयारियों का परीक्षण करना है। विभिन्न गति और भार परिस्थितियों में परीक्षण सफल रहने तथा आवश्यक अनुमतियां प्राप्त होने के बाद रेल संरक्षा आयुक्त की स्वीकृति ली जाएगी। इसके उपरांत इस रेलखंड पर यात्री ट्रेन संचालन का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, जिसका बस्तर क्षेत्र के लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। परियोजना का सकारात्मक प्रभाव पहले ही दिखाई देने लगा है। वर्ष 2022 में दल्लीराजहरा से तरोकी तक यात्री रेल सेवा शुरू होने के बाद क्षेत्र के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के बेहतर अवसर उपलब्ध हुए हैं।

छग पुलिस में बड़ा फेरबदल 61 इंस्पेक्टर्स के तबादले

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर अटल नगर ने बुधवार को आदेश जारी करते हुए 61 निरीक्षकों का तबादला किया है। यह कार्रवाई पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय के आधार पर वन टाइम नीति के तहत की गई है। जारी आदेश के अनुसार बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित जिलों में लंबे समय से कार्यरत निरीक्षकों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और कोंडागांव जैसे जिलों में पदस्थ अधिकारी शामिल हैं। प्रशासनिक जरूरतों और पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से इन

अधिकारियों को अन्य जिलों में भेजा गया है।

निरीक्षकों को बस्तर से निकालकर जिन जिलों में भेजा गया, उनमें रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी, महासमुंद, कोरबा, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार-भाटापारा, सक्ती, बेमेतरा, गरियाबंद, रायगढ़, कोरिया, बालोद और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई सहित कई जिलों के नाम शामिल हैं।

भाजपा नेता को फॉर्च्यूनर में जिंदा जलाया, 3 मौतें

- हाईवा अड़ाकर लगाई आग, साथियों को फरसे से काटा

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया में रेत तस्करी को लेकर भाजपा नेता समेत 3 लोगों की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने फॉर्च्यूनर के आगे-पीछे हाईवा अड़ाकर रास्ता रोका, फिर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इसमें भाजपा के पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह जिंदा जल गए।

कार में सवार भरत सिंह के भाई समेत 4 अन्य लोग किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन आरोपियों ने उनकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी। फरसे से हमला किया। गंभीर रूप से घायल विरेंद्र सिंह (28) की इलाज के दौरान मौत हो

गई। वहीं उनके चचेरे भाई नागेंद्र सिंह (53) ने रायपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक रेत के अवैध खनन को लेकर लल्ला सिंह का भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी के परिवार से विवाद चल रहा था। मंगलवार रात 12 बजे मनोज त्रिपाठी से जुड़े लोगों ने भरत सिंह को घेरकर हमला कर दिया। मनोज समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा की केंद्रीय टीम में बड़े फेरबदल के संकेत राजनाथ के घर शाह सहित बड़े नेताओं की हुई लंबी बैठक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय संगठनात्मक टीम में संभावित फेरबदल की अटकलों के बीच सोमवार को दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार, बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष तथा भाजपा और आरएसएस के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अरुण कुमार भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि यह बैठक चार घंटे से अधिक समय तक चली, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री

धर्मेंद्र प्रधान ने भी हिस्सा लिया।

हालांकि भाजपा की ओर से बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि संगठनात्मक बदलाव, केंद्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन और आगामी राजनीतिक रणनीति जैसे कई अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। माना जा रहा है कि जनवरी में भाजपा अध्यक्ष का पदभार संभालने वाले नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी की नई केंद्रीय टीम का ऐलान इसी महीने किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, नई टीम में अनुभवी और युवा नेताओं के बीच संतुलन बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई नए चेहरों को जिम्मेदारी मिल सकती है।

जेसीपी अध्ययन दौरे में बोले बृजमोहन अग्रवालः राजनीति का अपराधीकरण रोकने और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

- 30 दिन से अधिक न्यायिक हिरासत तो पद छोड़ना होगा
- जेसीपी चर्चा में बृजमोहन अग्रवाल ने बताया विधेयकों का प्रमुख उद्देश्य

नई दिल्ली। रायपुर के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 तथा संघ राज्य क्षेत्र (संशोधन) विधेयक, 2025 के अध्ययन हेतु गठित संयुक्त संसदीय समिति (JPC) के स्टडी टूर के अंतर्गत दिल्ली

सचिवालय में आयोजित विभिन्न बैठकों और विचार-विमर्श कार्यक्रमों में भाग लिया।

इस दौरान श्री बृजमोहन अग्रवाल ने समिति अध्यक्ष श्रीमती अपराजिता सारंगी समेत समिति सदस्यगण सांसद श्री अनुराग सिंह ठाकुर जी, सांसद श्री बृजलाल जी, सांसद श्री मनन कुमार मिश्रा, सांसद श्री उज्ज्वल देवराव निकम जी, सांसद श्री असदुद्दीन ओवैसी, सांसद डॉ के लक्ष्मण जी, श्री इंद्र हंग सुब्बा जी, श्रीमती अरुणा के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, गृह मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय तथा विधि कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक चर्चा कर प्रस्तावित विधेयकों से जुड़े विभिन्न संवैधानिक, प्रशासनिक एवं विधिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया और अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

अध्ययन दौरे के तहत राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (ह्रस्र्), बार एसोसिएशनों, न्यायिक अकादमियों, नागरिक समाज संगठनों, पूर्व नीति निर्माताओं, नीति थिंक टैंकों, अनुसंधान संस्थानों तथा अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों के साथ भी व्यापक संवाद आयोजित किया गया। विभिन्न विशेषज्ञों ने विधेयकों के संभावित प्रभाव, प्रशासनिक संरचना, लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और सुशासन से जुड़े विषयों पर अपने सुझाव एवं विचार साझा किए। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, समिति अध्यक्ष श्रीमती अपराजिता सारंगी एवं सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित ऐतिहासिक विधेयकों की गहन समीक्षा करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं उनकी सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों के कार्यकारी अधिकारी गण प्रतिनिधियों सहित विधि विशेषज्ञों के साथ विधेयक के सकारात्मक पहलुओं पर मंथन कर अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। श्री अग्रवाल ने बताया कि चर्चा अत्यंत सकारात्मक रही। दिल्ली सरकार ने गृह मंत्रालय की मंशा और बिल के उद्देश्यों की मुक्त कंठ से सराहना की है।

तपस्या एवं सहस्त्रावधान महोत्सव धान का दुर्लभ एवं ऐतिहासिक प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर इन दिनों एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महापर्व का साक्षी बन रहा है। 16 से 18 जून 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय आचार्य पदारोहण, सहस्त्रावधान एवं तपस्या महोत्सव का मंगलवार को बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में भव्यता के साथ चल रहा है। सकल जैन समाज छत्तीसगढ़, अखिल भारतीय खरतरगच्छ महासंघ तथा आचार्य पदारोहण सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विराट आयोजन में देशभर से हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे परिसर को धर्ममय बना दिया। भगवान महावीर स्वामी एवं जिन शासन के जयघोषों से इंडोर स्टेडियम गुंजायमान होता रहा।

महोत्सव के दूसरे दिन परम पूज्य शतावधानी हंसभद्रमुनिजी द्वारा सहस्त्रावधान का दुर्लभ एवं ऐतिहासिक प्रदर्शन किया गया। इंडोर स्टेडियम में मौजूद लोग आश्चर्यचकित रह गए जब मुनिजी ने एक से लेकर 1000 तक क्रमवार नामों को बताना शुरू किया। पहले बोर्ड पर मंदिर उपकरण, दो और तीन अंकों की संख्या, तीर्थंकरों के नाम, भगवानों के नाम, रामायण और महाभारत के किरदारों के नाम, भारतीय इतिहास के राजाओं के नाम, मोबाइल, वाहन, ऐप समेत 100 वर्गों के 10-10 नाम लिखे गए। मुनिजी ने पहले उन्हें पढ़ा और एक से लेकर 1000 और 1000 से लेकर फिर एक तक उन्हें दोहराया। इस अनूठी प्रस्तुति में वे उपस्थितजनों द्वारा पूछे गए एक हजार प्रश्नों का उत्तर दिया। सभी ने उनसे बीच की संख्याओं में लिखा नाम पूछा तो उन्होंने उसका उत्तर दिया।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ प्रदर्शन :- महोत्सव समिति के मुख्य संरक्षक राजेश मूणत, अध्यक्ष सुनील पारख, संयोजक राजेश बुरड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक बरड़िया एवं ललित पटवा, कोषाध्यक्ष

बसंत झाबक तथा प्रचार-प्रसार समिति के अजय मालू, कन्हैया लूनावत और भूपेंद्र कोटड़िया ने बताया कि यह आयोजन भारतीय जैन इतिहास में एक अद्वितीय अध्याय हैं। महोत्सव के दौरान समाजजनों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला।

महोत्सव में देशभर से पहुंचे पांच हजार से अधिक समाजजन इस दिव्य आयोजन के साक्षी बने। मंच पर मौजूद परम पूज्य गणाधीश श्री विनयकुशल मुनि जी महाराज साहब, बालमुनि पूज्य श्री हंसभद्र मुनि जी महाराज साहब, तप चक्रवर्ती परम पूज्य श्री वीरभद्र मुनि जी महाराज साहब (श्री विराग मुनि जी), परम पूज्य पियूष सागर जी महाराज आदि ठाणा, राष्ट्र संत नेपाल केशरी परम् पूज्य संत श्री मणिभद्र मुनि जी म सा आदि ठाना की पावन निश्रा में सभी कार्यक्रम संपन्न हुए। तप जप और साधना के क्रम में आज वीरभद्र मुनि जी का 168वां उपवास गतिमान रहा।

महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुनील पारख एवं महासचिव अशोक कांकरिया ने बताया कि महोत्सव के दूसरे तीसरे दिन गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

तीन दिवसीय इस महोत्सव को लेकर समाजजनों में अपार उत्साह है और रायपुर की पावन धरती पर धर्म, तप, साधना और भक्ति का यह महासंगम एक ऐतिहासिक अध्याय के रूप में स्थापित हो रहा है।

यात्री सुविधाओं के उन्नयन हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं आईआईएम के मध्य विचार-विमर्श

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर, श्री विजय कुमार के कार्यालय कक्ष में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रायपुर के वरिष्ठ प्रतिनिधियों एसोसिएट प्रोफेसर श्री दीप्तिमान बनर्जी एवं श्री अभिजीत बर्मन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । बैठक में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं आईआईएम रायपुर के मध्य हाल ही में संपन्न समझौता ज्ञापन (रूश्व) के अंतर्गत यात्री यातायात, यात्री सुविधा, सेवा गुणवत्ता में सुधार तथा राजस्व संवर्धन से संबंधित अध्ययन कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई ।बैठक के दौरान इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि आईआईएम रायपुर किस प्रकार वैज्ञानिक अध्ययन एवं डेटा आधारित विश्लेषण के माध्यम से यात्रियों के आराम, सुविधा तथा यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने में रेलवे की सहायता कर सकता है। संभावित नए यात्री बाजारों की पहचान, नई रेलगाड़ियों की आवश्यकता का आकलन, रेलगाड़ियों के समय निर्धारण एवं परिचालन में सुधार, यात्री सुविधाओं के उन्नयन तथा सेवा गुणवत्ता में सुधार जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई

।आईआईएम रायपुर के प्रतिनिधियों ने बताया कि अध्ययन के अंतर्गत यात्रा पैटर्न, यात्री प्राथमिकताओं, अधिभोग प्रवृत्तियों, क्षेत्रवार मांग तथा विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों का विश्लेषण किया जाएगा। अध्ययन के आधार पर नई रेल सेवाओं के संचालन, वर्तमान समय-सारिणी के युक्तिकरण तथा यात्रियों की सुविधा बढ़ाने संबंधी सुझाव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को प्रदान किए जाएंगे ।प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री विजय कुमार ने कहा कि यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने तथा रेलवे की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों एवं विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है।

स्टांप ड्यूटी, इनकम टैक्स और जीएसटी पर सीए चेतन तारवानी की अहम सलाह

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रॉपर्टी ट्रांसफर, गिफ्ट डीड, स्टांप ड्यूटी, इनकम टैक्स एवं जीएसटी से जुड़े प्रावधानों की जानकारी देते हुए टैक्स एक्सपर्ट सीए चेतन तारवानी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपनी प्रॉपर्टी किसी अन्य व्यक्ति के नाम ट्रांसफर करना चाहता है, तो यह कार्य रजिस्टर्ड डीड के माध्यम से ही किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी ट्रांसफर के मुख्यतः चार माध्यम होते हैं–सेल डीड, गिफ्ट डीड, हक त्याग विलेख तथा बंटवारा नामा। इन सभी माध्यमों में स्टांप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन फीस, इनकम टैक्स एवं जीएसटी के अलग-अलग प्रावधान लागू होते हैं, जिनकी जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग अपनी संपत्ति किसी रिश्तेदार के नाम पर खरीद लेते हैं या पारिवारिक बंटवारा होने के बाद भी विधिवत डीड नहीं बनवाते, जिससे भविष्य में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में समय रहते सही कानूनी प्रक्रिया अपनाकर कम खर्च में अपनी प्रॉपर्टी को व्यवस्थित किया जा सकता है।

सीए चेतन तारवानी ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति अपने रिश्तेदार के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को गिफ्ट डीड के माध्यम से प्रॉपर्टी ट्रांसफर करता है, तो उसे सेल डीड के समान स्टांप ड्यूटी एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क देना होता है। ऐसी स्थिति में लगभग छह प्रतिशत स्टांप ड्यूटी तथा चार प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस लागू होती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि महिला को भी गिफ्ट दिया जा रहा हो, तब भी पूर्ण स्टांप ड्यूटी देय होती है। वहीं यदि प्रॉपर्टी किसी रिश्तेदार को गिफ्ट डीड के माध्यम से दी जाती है, तो स्टांप ड्यूटी मात्र 1.5 प्रतिशत तथा रजिस्ट्रेशन फीस केवल 500 रुपये देनी होती है।

उन्होंने बताया कि स्टांप एक्ट के अंतर्गत रिश्तेदारों की परिभाषा में पिता, माता, पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, पोता-पोती, नाती-नातिन, सगा भाई एवं सगी बहन शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त यदि कोई व्यक्ति अपनी जमीन या संपूर्ण बिल्डिंग किसी को गिफ्ट करता है, तो उस पर जीएसटी लागू नहीं होता। इनकम टैक्स के प्रावधानों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि गिफ्ट देने वाले व्यक्ति पर कोई टैक्स नहीं लगता, लेकिन यदि गिफ्ट प्राप्त करने वाला व्यक्ति रिश्तेदार नहीं है और प्रॉपर्टी का मूल्य 50 हजार रुपये से अधिक है, तो वह राशि प्राप्तकर्ता की आय में जोड़ दी जाती है और यदि रिश्तेदार है इनकम टैक्स भी नहीं लगता ।

सीए चेतन तारवानी ने आगे बताया कि इनकम टैक्स अधिनियम में रिश्तेदारों की परिभाषा और अधिक व्यापक है। इसमें जीजा, भाभी, पति या पत्नी के भाई-बहन, उनके जीवनसाथी, माता-पिता के भाई-बहन एवं उनके जीवनसाथी सहित स्वयं एवं अपने जीवनसाथी की तीन पीढ़ियों ऊपर और नीचे तक के रिश्तेदार शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि गिफ्ट डीड प्रॉपर्टी ट्रांसफर का आसान माध्यम है, जिसमें स्टांप ड्यूटी एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क अपेक्षाकृत कम होते हैं तथा इनकम टैक्स प्लानिंग भी की जा सकती है। हालांकि उन्होंने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि एक बार प्रॉपर्टी गिफ्ट कर देने के बाद उसे वापस लेना संभव नहीं होता। इसलिए यदि माता-पिता अपने बच्चों को संपत्ति देना चाहते हैं, तो कई मामलों में वसीयतनामा अधिक सुरक्षित विकल्प हो सकता

जोन 6 अध्यक्ष बद्री गुप्ता महापौर मीनल चौबे से बारिश पूर्व सफाई की व्यवस्था को लेकर की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम के जोन 6 जोन अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद प्रतिनिधि श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, श्रीमती अंजली जितेन्द्र गोलछा, श्री प्रमोद साहू, श्री रमेश सपहा, श्री रवि सोनकर, पार्षद प्रतिनिधि श्री सत्यनारायण नायक ने नगर निगम मुख्यालय महापौर कार्यालयीन कक्ष पहुंचकर महापौर श्रीमती मीनल चौबे से मिलकर जोन 6 के सभी वार्डो में इस वर्ष बारिश के पूर्व सफाई की व्यवस्था को लचर बताया एवं सफाई व्यवस्था व्यवस्थित नहीं होने की महापौर को जानकारी दी। पार्षदों ने महापौर को बताया कि जोन 6 के वार्डो में वार्डवार

उपलब्ध 25 सफाई कामगारों के गैंग में कभी भी शत प्रतिशत उपस्थिति नहीं देखी जाती एवं सफाई कामगारो की उपस्थिति कम रहती है। इसके चलते जोन 6 के वार्डो में बारिश पूर्व गंदे पानी का निकास सुगम बनाने अच्छी सफाई व्यवस्था अभी तक कायम नहीं हो पा रही है।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने जोन 6 के वार्डो में सफाई की लचर व्यवस्था पर गहन नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित जोन अधिकारियों को जमकर फटकार लगायी एवं तत्काल वार्डों में जनप्रतिनिधि वार्ड पार्षदों से समन्वय बनाकर बारिश पूर्व वार्डो की सफाई व्यवस्था को सुधारने के सख्त निर्देश दिये हैं । महापौर ने सफाई कामगारों की शत प्रतिशत उपस्थिति नियमित रूप से ड्यूटी पर सुनिश्चित करने जोन 6 अधिकारियों को निर्देशित किया एवं सभी नालो की तले तक सघन सफाई करवाकर लद्दी निकलवाकर वार्डो के नालो के मुहानो को खोलकर गंदे पानी का निकास बारिश पूर्व सुगम बनाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करने कडे निर्देश दिये हैं, ताकि कही भी जोन 6 क्षेत्र के किसी भी वार्ड में बारिश में जलभराव की समस्या ना आए और नागरिको को किसी प्रकार की असुविधा ना होने पाये।

निराश्रित पेंशन हितग्राहियों की समस्याओं के समाधान निवारण शिविर होंगे आयोजित

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा समाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों को आ रही समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु 22 जून से 22 जुलाई 2026 तक निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों में विशेष समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे।सभी जोन कमिश्नरों को शिविरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने कहा गया है। शिविरों में पेंशन हितग्राहियों की विभिन्न समस्याओं जैसे केवाईसी संबंधी कार्य, आधार एवं मोबाइल नंबर अपडेट, मृत हितग्राहियों की जानकारी एवं पंचनामा प्रस्तुत करना, बैंक खाते के ब्लॉक होने की समस्या, आधार का एनपीसीआई से लिंक नहीं होना तथा अन्य बैंकिंग संबंधी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।इसके साथ ही केन्द्र सरकार की पेंशन योजनाओं–इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांग पेंशन योजना से लाभान्वित हितग्राहियों का ÷क्क्ठ्ठद्दद्धद्बष्द्बड्डह्ल4 स्ड्डह्ल4ड्डश्चड्डठ्ठ, श्चश्च÷ के माध्यम से शत-प्रतिशत सत्यापन भी किया जाएगा।सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ शिविर प्रारंभ होने से पूर्व बैठक आयोजित कर कार्यवाही विवरण प्रस्तुत करें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)
-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक 19/न.पा.नि./जोन क्रमांक - 06/2026-27 रायपुर, दिनांक 16/06/2026

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित SOR / अन्य पंजी (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई-रजिस्ट्रेशन "डी" एवं उससे ऊपर) / फर्म एवं संस्था एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफा "अ" में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं "ब" में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है।

संबंधित कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु **दिनांक 30/06/2026** तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज **दिनांक 07/07/2026** तक पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदायें **दिनांक 08/07/2024** को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	अगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर.	समया अवधि
1.	जोन क्रमांक 06 अंतर्गत सी.टी./पी.टी. में पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	प्रथम	15 वें वित्त आयोग की राशि से	9.23	7000.00	750.00	PWD BUILDING SOR 01-01-2015	3 माह

कार्य के निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है :-

लिफाफा "अ" में :-
(1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ.डी.आर (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति। (2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन की प्रति। (4) बैंक साल्वेंसी की प्रति (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षों का ITR एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का GSTR की प्रति।

लिफाफा "ब" में :- (1) निविदा प्रपत्र

शर्तें:- (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार/फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (Tax & Clearance Certificate) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

(निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस में आकर प्राप्त की जा सकती है)

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक- 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

बिजली दरों पर कांग्रेस का प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी : भाजपा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने बिजली दरों को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन को राजनीतिक नौटंकी बताते हुए कहा कि बिजली बिल हाफ के नाम पर बढ़ा बिजली बिल वसूलने वाले आज घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं और जनता को गुमराह करने का असफल प्रयास कर रहे है। श्री ठोकने ने कहा कि स्वतंत्र नियामक संस्था 'छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग' द्वारा जारी नए टैरिफ संशोधन की हकीकत को छुपाकर कांग्रेस केवल अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन तलाशने का प्रयास कर रही है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने आँकड़ों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार आम जनता और गरीबों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नए टैरिफ संशोधन का प्रदेश के कुल 51 लाख घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 41 लाख उपभोक्ताओं पर केवल आंशिक प्रभाव ही पड़ेगा। इन उपभोक्ताओं पर विद्युत दर संशोधन का प्रभाव शून्य से 3.65 प्रतिशत तक ही सीमित रहेगा। श्री ठोकने ने कांग्रेस को आईना दिखाते हुए कहा कि नए टैरिफ के बावजूद प्रदेश के अन्नदाताओं (किसानों) पर इस वृद्धि का एक पैसे का भी भार नहीं पड़ेगा, क्योंकि इसका पूरा वहन राज्य शासन द्वारा किया जा रहा है। नए टैरिफ में औसत विद्युत आपूर्ति दर 7.13 रुपये प्रति यूनिट स्वीकृत की गई है, जबकि इसके मुकाबले गरीब और मध्यमवर्गीय घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम स्लैब में मात्र 4.40 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली की आपूर्ति की जाएगी। घरेलू विद्युत दरों में भले ही 30 पैसे से 50 पैसे प्रति यूनिट की नाममात्र वृद्धि दिख रही हो, लेकिन इसका असर उपभोक्ताओं पर पूर्ण रूप से नहीं पड़ेगा। 'मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत योजना' के अंतर्गत इसकी प्रतिपूर्ति शासन द्वारा की जाएगी।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर -2 तहसील रायपुर, जिला रायपुर
आम-सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **ग्राम टाटीबंध पं. ह. नं. - 54, रा0नि0म0 रायपुर - 2 तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)** स्थित भूमि के संबंध में आवेदक **राजेश बाबू उप्पल पिता नंद कुमार उप्पल, तजिंदर कौर उप्पल पति राजेश उप्पल निवासी मारूती लाइफ स्टाइल, कोटा रोड, रायपुर** के द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की **भूमि खसरा नम्बर 338/87, रकबा 0.0740 हे.** का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त न्यायालय नायब तहसीलदार **02, रायपुर के रा0प्र0क्र0/.. / अ-12 / वर्ष / 2025-26** आदेश **दिनांक 10/6/2026** के परिपालन में **दिनांक 23/06/2026 को 4:30.** पूर्वाहन / पश्चात किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बंटाकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर हल्का पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबध में जो भी उजर दावा, अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगा । सो सूचना जाने ।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर - 2 हीरापुर
रायपुर

मुहर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./32165/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 17-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32165
वार्ड का नाम-12 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR229H00149** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. C. M. V. RAO** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MR. C. R.Y. YAZULU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SUNITA JAIN 2. ASTHA GAURAW DHADIWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. W/O KHEMRAJ JAIN 2.GAURAW DHADIWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /31582/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 10-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31582
वार्ड का नाम- 8 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226I01305** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PITAMBER PRUSETH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JUGAL KISHOR PRUSHED** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAYANTI DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /32234/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 17-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32234
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227W00387** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANKITA AGARWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ROHIT AGARWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **चारू साधवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **संजय साधवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /31952/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 13-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31952
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C01022** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHRI RAJU SHALIKRAM LANJEVER** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHALIKRAM LANJEVER** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AABHA DAKSHINE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SITARAM DAKSHINE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /31955/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 12-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31955
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C01379** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR SINHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHAYAM KRISHNA SINHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUNIL KUMAR SOMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHAVIR PRASAD SOMANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिवनन्दनपुर में शपथ ग्रहण समारोह में की शिरकत, विभागीय स्टॉलों का किया अवलोकन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने सूरजपुर प्रवास के दौरान नगर पंचायत शिवनन्दनपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल दास बघेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े , सांसद श्री चिंतामणि महाराज , प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी , वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री राम सेवक पैकरा, पूर्व विधायक रजनी रविशंकर त्रिपाठी, श्री अवधेश चंदेल, श्री मुरली मनोहर सोनी , नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रितेश जायसवाल सहित सभी पार्षदगण उपस्थित रहे।

शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल के सदस्यों ने

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित स्टॉल में दो दिव्यांग हितग्राहियों को ट्राइसाइकिल प्रदान की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को उनके नवीन आवास की खुशियों को चाबी सौंपी गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में बच्चों के पोषण हेतु तैयार किए जाने वाले विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थों जैसे खिचड़ी, हलवा, खुरमा, बर्फी, कटुआ, गुलगुला एवं रेडी-टू-ईट पोषण आहार का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने पोषण आहार का अवलोकन करते हुए इसकी सराहना की। इस दौरान तीन गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा दो बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं से संवाद कर योजना से प्राप्त लाभों की जानकारी ली। कार्यक्रम में आदिवासी विकास विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भी आकर्षक स्टॉल लगाए गए। स्कूल शिक्षा विभाग के स्टॉल में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवां के विद्यार्थियों ने सोलर सैनिटेशन किट सहित विभिन्न नवाचार एवं वैज्ञानिक मॉडलों का प्रदर्शन किया, जिसकी मुख्यमंत्री ने सराहना की।

विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री एवं लाभ का वितरण भी किया।

मत्स्य पालन प्रसार योजना के अंतर्गत फुटकर मत्स्य विक्रय उपकरण प्रदाय योजना के तहत कुंजनगर निवासी श्रीमती भारती केवट एवं श्रीमती तपेश्वरी राजवाड़े को आइस बॉक्स के साथ ?6000-?6000 की सहायता राशि प्रदान की गई।

सामाजिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिवनन्दनपुर निवासी श्री अमरूत को वय वंदन कार्ड प्रदान किया गया। वहीं आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शिवनन्दनपुर हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इसके अलावा कुरूवां निवासी हितग्राहियों को भी आयुष्मान कार्ड प्रदान कर योजना का लाभ दिया गया।

लामाटोला भूमिगत खदान की पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई सफलतापूर्वक सम्पन्न

सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों ने परियोजना के जल्द आने के पक्ष में दिया समर्थन

अनूपपुर: जिले की कोतमा तहसील अंतर्गत प्रस्तावित लामाटोला भूमिगत कोयला खदान परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित लोक सुनवाई बुधवार को ग्राम पंचायत बसखली स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में परियोजना से प्रभावित सात गांवों के लगभग 1,500 ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा परियोजना के पक्ष में अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। लोक सुनवाई का संचालन कोतमा के अनुविभागीय अधिकारी श्री सतीश वर्मा एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि डॉ. अशोक कुमार तिवारी की उपस्थिति में किया गया।

लोक सुनवाई में लामाटोला, रेउला, गढ़ी, बिचारपुर, बसखली, मौहारी एवं थोड़ाहा गांवों के ग्रामीणों ने परियोजना के संभावित सामाजिक एवं आर्थिक लाभों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों के सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें अभिलेख में दर्ज किया। परियोजना के प्रतिनिधियों ने प्रस्तावित खदान के लिए अपनाए जाने वाले पर्यावरणीय संरक्षण उपायों एवं प्रबंधन योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। ए.सी.सी. लिमिटेड की तरफ से कई अधिकारियों की मौजूदगी रही जिन्होंने परियोजना के लिए उठाये जानेवाले पर्यावरणीय उपायों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

लामाटोला भूमिगत कोयला परियोजना भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा वाणिज्यिक खनन के अंतर्गत अगस्त 2024 में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से मेसर्स ए.सी.सी. लिमिटेड को आवंटित की गई है। यह परियोजना अनूपपुर जिले की कोतमा तहसील के सात गांवों में लगभग 1,030 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तृत है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप वायु गुणवत्ता, जल गुणवत्ता, जल संसाधन, ध्वनि स्तर, भूमि पर्यावरण एवं मृदा गुणवत्ता सहित विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन किया गया है। अध्ययन में सभी मानक निर्धारित सीमाओं के अनुरूप पाए गए हैं तथा परियोजना के लिए व्यापक पर्यावरण प्रबंधन योजना का भी प्रावधान किया गया है।

यह परियोजना लगभग 35 वर्षों तक संचालित होगी, जिसमें आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रतिवर्ष 20 लाख टन कोयले का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना के संचालन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे, जिससे स्थानीय लोगों की आय एवं जीवन स्तर में सुधार होगा। साथ ही, राज्य सरकार के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। ए.सी.सी. लिमिटेड ने क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, कौशल विकास एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु विस्तृत योजनाएं तैयार की हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने भी परियोजना से क्षेत्र के समग्र विकास और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद व्यक्त की। कोतमा के जनपद उपाध्यक्ष श्री अभिषेक सिंह ने इस परियोजना का स्वागत करते हुए बताया कि, इस परियोजना के आने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे एवं क्षेत्र का विकास होगा। जबकि बसखला के जनपद सदस्य देवनाथ सिंह का कहना है कि, इस परियोजना के संचालित होने से रोजगार के अवसर आएंगे एवं मूलभूत सुविधाओं का विकास होगा। बसखला गांव की रहनेवाली गणेशिया सिंह कहती हैं कि, लामाटोला प्रोजेक्ट के आने से इस क्षेत्र का विकास होगा।

परियोजना के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। प्रदूषण नियंत्रण के लिए नियमित जल छिड़काव, व्यापक वृक्षारोपण, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, वर्षा जल संचयन तथा खनन पट्टा क्षेत्र एवं परिवहन मार्गों के किनारे हरित पट्टियों का विकास किया जाएगा। इस परियोजना के क्रियान्वयन से क्षेत्र में आधारभूत संरचना के विकास के साथ-साथ जनस्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सतत आजीविका, कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं किसान विकास कार्यक्रमों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय समुदाय के समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

बरसते पानी में गरजा कांग्रेस का विरोध, बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी ने बिजली दरों में वृद्धि के विरोध में मुख्यमंत्री साय का पुतला दहन कर बिजली विभाग का किया घेराव ....

भाजपा की साय सरकार से नहीं संभल शासन, बिजली दरों में बढ़ोत्तरी कर जनता की जेब और किसानों की मेहनत पर डाल रही डाका- मौर्य ...

बिजली दरों में बेतहाशा वृद्धि कर भाजपा सरकार ने घरेलू/गैर घरेलू उपभोक्ताओं व किसानों पर किया आर्थिक बोझ का प्रहार- शुक्ला ...

जगदलपुर। आज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य व ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार द्वारा प्रदेश में बिजली दरों में की गई बेतहाशा वृद्धि के विरोध में जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर बिजली विभाग कार्यालय का घेराव कर संबंधित अधिकारी को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप भाजपा सरकार के जनविरोधी निर्णय के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया।

इस अवसर पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश की साय सरकार से शासन और प्रशासन संभल नहीं रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रही जनता को राहत देने के बजाय भाजपा सरकार लगातार जनविरोधी निर्णय लेकर आम नागरिकों की जेब पर डाका डाल रही है। उन्होंने कहा कि बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकता पर लगातार बढ़ता आर्थिक बोझ जनता के साथ अन्याय है। भाजपा सरकार ने बिजली दरों में वृद्धि कर मध्यम वर्ग, गरीब परिवारों, छोटे व्यवसायियों तथा किसानों की कमर तोड़ने का काम किया है। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जनता को राहत देने की दिशा में अनेक कदम उठाए गए थे, वहीं वर्तमान भाजपा सरकार जनता को राहत देने के बजाय हर क्षेत्र में आर्थिक बोझ बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को विकास और सुशासन के नाम पर चुना था, लेकिन आज हर वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

भाजपा सरकार द्वारा बिजली दरों में की गई वृद्धि सीधे तौर पर घरेलू एवं गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों पर आर्थिक हमला है। उन्होंने बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट तक की वृद्धि की गई है, जबकि गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट तक दरें बढ़ाई गई हैं। इतना ही नहीं, किसानों के कृषि विद्युत शुल्क में भी 40 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि कर दी गई है। जिसका कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध करती है!कांग्रेस पार्टी सख्त चेतावनी देती है यदि बिजली दरों में की गई वृद्धि वापस नहीं ली गई तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में चरणबद्ध एवं उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला ने कहा कि प्रदेश का किसान पहले से ही खेती की बढ़ती लागत,खाद-बीज एवं डीजल किल्लत से परेशान है। ऐसे समय में कृषि विद्युत दरों में वृद्धि किसानों की मेहनत और आय पर सीधा प्रहार है। इससे खेती की लागत और अधिक बढ़ेगी तथा किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करती है, लेकिन उसके फैसले किसानों को कर्ज और संकट की ओर धकेलने वाले साबित हो रहे हैं।भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का खामियाजा प्रदेश की जनता और किसानों को भुगतना पड़ रहा है। एक ओर बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है, वहीं दूसरी ओर बिजली, पानी और अन्य आवश्यक सेवाओं की दरों में लगातार वृद्धि कर जनता को परेशान किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मुस्लिम समाज ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का किया स्वागत

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) नगर पंचायत शिवनंदनपुर का निर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षद की शपथ ग्रहण समारोह में शामिल प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय को मुस्लिम समाज ने आत्मीय स्वागत किया। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री आज नगर पंचायत शिवनंदनपुर पहुंचे थे जहां शपथग्रहण समारोह में मुस्लिम समाज ने पुष्पगुच्छ से गर्मजोशी से स्वागत किया स्वागत करने वालों में युवाभाजपा नेता एजाज अहमद जिमी के नेतृत्व में मुस्लिम समाज में गौरतलब है कि नगर पंचायत शिवनंदनपुर चुनाव में भाजपा कि जीत में अहम योगदान मुस्लिम समाज का रहा स्वागत करने वालों में हाफिज मोहम्मद हुसैन,अहमद हुसैन,एजाजअहमद ,जुल्फी ,जल्लुदीन,उस्मानिया ,मैसूवर, शाहिद आलम,इमरान सिद्दीकी ,तनवीर,शाहबाद, शानू ,तबरेज, इमरान, अकबर, मंजर ,सीनू ,आयन डब्लू आदि शामिल थे।

आरएसपीएल ग्रुप ने लॉन्च किया घड़ी रैपिड वॉश

रायपुर। भारत के सबसे भरोसेमंद एफएमसीजी समूहों में से एक और प्रतिष्ठित घड़ी डिटर्जेंट के निर्माता आरएसपीएल ग्रुप ने घड़ी रैपिड वॉश लॉन्च किया है, जो रोज़मर्रा की बाल्टी में कपड़े धोने की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया एक लिक्विड डिटर्जेंट है। यह लॉन्च भारतीय होम केयर श्रेणी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो उपभोक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को पूरा करता है। यह उत्पाद पारंपरिक डिटर्जेंट पाउडर और टिकिया की विश्वसनीय सफाई क्षमता को लिक्विड डिटर्जेंट की सुविधा और आधुनिकता के साथ जोड़ता है। घड़ी रैपिड वॉश के माध्यम से आरएसपीएल का उद्देश्य लाखों भारतीय परिवारों के दैनिक कपड़े धोने के अनुभव को बेहतर बनाना और डिटर्जेंट श्रेणी में नवाचार के अगले चरण को आगे बढ़ाना है। आरएसपीएल ग्रुप के संयुक्त प्रबंध निदेशक राहुल ज्ञानचंदानी ने कहा भारतीय उपभोक्ता हमेशा बेहतर विकल्प अपनाने की इच्छा रखते हैं, लेकिन बाजार ने उन्हें ऐसा लिक्विड डिटर्जेंट नहीं दिया जो उनके कपड़े धोने के वास्तविक तरीके के अनुकूल हो। घड़ी रैपिड वॉश उसी कमी का हमारा समाधान है। यह उत्पाद घड़ी ब्रांड से जुड़ी पीढ़ियों पुरानी विश्वसनीय सफाई क्षमता को आधुनिक लिक्विड डिटर्जेंट की सुविधा और नवाचार के साथ जोड़ता है, वह भी ऐसे मूल्य पर जो वास्तव में सभी के लिए सुलभ हो। इस लॉन्च के माध्यम से हम अपनी मूल्य-आधारित और प्रभावी समाधान देने की विरासत को लॉन्ड्री केयर के एक नए युग में ले जा रहे हैं, जहां परंपरा और नवाचार मिलकर भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं। इस उत्पाद का लॉन्च घड़ी ब्रांड की जन्मस्थली कानपुर में किया गया। लिक्विड डिटर्जेंट के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपभोक्ताओं की सोच को बदलने के उद्देश्य से आयोजित इस लांच में विभिन्न वितीरक बंधुऔर ब्रांड सहयोगियों ने भाग लिया तथा इस महत्वपूर्ण नवाचार का स्वागत किया। पीढ़ियों से भारतीय परिवार अपनी दैनिक धुलाई के लिए बाल्टी और हाथ से कपड़े धोने की परंपरा पर भरोसा करते आए हैं। गृहिणियों और परिवारों की बदलती जरूरतों को समझते हुए, घड़ी अब लिक्विड डिटर्जेंट की सुविधा और प्रभावशीलता को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना रही है।

जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर विद्युत दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

सी एसपीडीसीएल कार्यालय का किया घेराव एवं मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

महंगाई से त्रस्त जनता पर बिजली बिल का अतिरिक्त बोझ डाल रही है सरकार शशि सिंह बढ़ी हुई बिजली दरें वापस नहीं ली गईं तो होगा उग्र आंदोलन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-राज्य की वर्तमान सरकार द्वारा बिजली की दरों में लगातार की जा रही बेतहाशा वृद्धि के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी ने सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन किया जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने केतका रोड से एक विशाल आक्रोश रैली निकाली। यह रैली सरकार विरोधी नारों के साथ आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कार्यालय पहुंची, जहां कांग्रेसियों ने कार्यालय का घेराव किया और विरोध स्वरूप मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया

जनता पर महंगाई का डबल अटैक

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला उन्होंने कहा एक तरफ जनता पहले से ही कमरतोड़ महंगाई से परेशान है, वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार लगातार बिजली बिलों में बढ़ोतरी कर आम आदमी की जेब पर डाका डाल रही है बिजली जैसी मूलभूत

सुविधा को सरकार ने कमाई का जरिया बना दिया है। कांग्रेस पार्टी जनता के हितों के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कार्यालय का घेराव और पुतला दहन

केतका रोड से शुरू हुई रैली में भारी संख्या में लोग शामिल हुए कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और सरकार विरोधी नारे लिखी पट्टियां लिए चल रहे थे। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने मुख्य गेट पर जमकर नारेबाजी की और घेराव किया इस दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई इसके बाद सरकार के इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ आक्रोश जताते हुए मुख्यमंत्री का पुतला फूंका गया।

मांगें और चेतावनी- कांग्रेस नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर बढ़ी हुई विद्युत दरों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की है। शशि सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा*यह प्रदर्शन तो सिर्फ एक शुरुआत है अगर सरकार ने अपना यह जनविरोधी फैसला वापस नहीं लिया और जनता को राहत नहीं दी, तो जिला कांग्रेस कमेटी पूरे जिले में चक्का जाम करेगी और इससे भी बड़ा उग्र आंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शशि सिंह, महामंत्री संजय दोसी, इस्माइल ख़ान, विद्या सागर सिंह, सुनील अग्रवाल, परवेश गोयल, महेंद्र साहू, अरविंद यादव, लवकेश गुर्जर, संतोष पावले, प्रदीप साहू,विक्की समददार, अविनाश साहू, चन्द्रदत दुबे, सुनील सारथी, वेद प्रकाश मिश्रा,रोहन राजवाड़े,अभिकेश सिंह, शक्ति ठाकुर,अजय सोनवानी, लिवनेश सिंह, इमरान अंसारी,दुर्गा टेकाम,सोनू ख़ान,राकेश, छत्रपाल, सुंदर, घूरन प्रजापति, संदीप सिंह, लिली रजवाड़े, जरीना सुल्ताना,प्रेम राजवाडे, समीर सिंह, आशीष सिंह, सुनील प्रजापति, पारस राजवाड़े,जमील अहमद,राहुल सुनहरे सहेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

उदघोषणा

202606103000044/अ-74/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक: हेमंत चंद्राकर पिता स्व बिकुन लाल चन्द्राकर निवासी चिरपोटी तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0) के द्वारा मौजा- चिरपापेटी प.ह.नं. 57 रा.नि.मं. उतई स्थित भूमि खसरा नं. 349, 350/1 रकबा कमश: 0.45, 0.20 हे0 लगान 1.63 रू. भूमि भूमिस्वामी दामोदर चंद्राकर पिता बिकुल लाल चंद्राकर अन्य 03 के नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त वर्णित भूमि का मुल ऋष्टापुस्तिका गुम हो जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋष्टापुस्तिका प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक. 19/06/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/06/2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

संपादकीय

भारत विरोधी रुख

यूरोपियन यूनियन और पाकिस्तान के साझा बयान में भारत के नजरिए से कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना स्पष्टत: भारत विरोधी रुख है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पिछले हफ्ते हुई चीन यात्रा के समय जारी साझा बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र हुआ। चीन ने जम्मू-कश्मीर को इतिहास से जन्मा विवाद कहा। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और उचित समाधान की बात कही। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों, द्विपक्षीय समझौतों, और संबंधित पक्षों की आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। स्पष्टत: यह भारत विरोधी बयान था। उचित ही भारत सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई और कश्मीर संबंधी उन टिप्पणियों को सिरे से ठुकरा दिया। बहरहाल, अब यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने पाकिस्तान के साथ अपने साझा बयान में जो कहा है, वह चीन की टिप्पणियों से भी आगे जाता मालूम पड़ा है। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काया काल्लास की इस्लामाबाद यात्रा के समय जारी वक्तव्य में कहा गया- ‘पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे की जानकारी दी। ईयू ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध की जानकारी दी। दोनों पक्षों ने इन टकरावों का संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के अनुरूप बातचीत एवं कूटनीति से शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया।’ स्पष्टत: इस कथन में कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना सीधे तौर पर भारत विरोधी रुख है। यहां तक कि चीन ने भी भारत- पाकिस्तान के द्विपक्षीय समझौतों का उल्लेख किया था, जबकि ईयू ने उनकी भी अनदेखी कर दी है। एक अलग टिप्पणी में काल्लास ने पाकिस्तान को महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय शक्ति बताया। पिछले कई दशकों से भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के संरक्षक पाकिस्तान को अलग-थलग करना रहा है। 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस दिशा में कई अहम कामयाबियां भी मिली थीं। मगर अब पाकिस्तान को क्यों अहमियत एवं अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता मिल रही है, यह कठिन प्रश्न हमारे सामने है। चीन और 57 सदस्यों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन का हाथ तो हमेशा पाकिस्तान की पीठ पर रहा है, मगर ईयू और अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने भी उसे अहमियत दें, तो क्या इसे भारतीय विदेश नीति की कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाएगा?

आलेख

भारत की जैव-विविधता: प्रतिबद्धताएँ और उपलब्धियाँ

भारत की जैव विविधता का संचालन त्रि स्तरीय संरचना पर आधारित है। इसके तहत यह संरचना जैव विविधता की राष्ट्रीय नीति को राज्य स्तरीय कार्रवाई और स्थानीय स्तर के क्रियान्वयन से जोड़ती है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है जबकि राज्य जैव विविधता बोर्ड और केंद्र शासित प्रदेशों में गठित जैव विविधता परिषद प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर इन्हें निर्देशित करते है। स्थानीय स्तर पर ग्रामीण और शहरी निकायों में गठित जैव विविधता प्रबंधन कमेटियां लोगों की जैव विविधता रजिस्टर तैयार करती है और सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा देती है। भारत में अभी तक करीब 276653 जैव विविधता कमेटियों का गठन हुआ है.और करीब 272648 जैव विविधता रजिस्टर निर्मित किये गए है जिनमें समूचे देश की अनेक स्थानीय प्रजातियों, पारिस्थितिकी और परंपरागत ज्ञान का दत्तावेजीकरण किया गया है। कुल मिलाकर ये संस्थाएं और इनकी कार्य प्रक्रियाएं हमें वैश्विक स्तर की जैव विविधता के पारिस्थितिकी संतुलन से तालमेल बिठाने में मदद करती है। जैव-विविधता भारत की पर्यावरणीय और विकास प्राथमिकताओं का केंद्र है। यह खाद्य सुरक्षा, आजीविका, जलवायु लचीलापन और पारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करती है। भारत के वन, आर्द्रभूमि, पर्वत, समुद्री तट, मरुस्थल, घास के मैदान और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र विविध प्रजातियों और समुदायों को बनाए रखते हैं। लाखों स्थानीय समुदाय दैनिक जीवन के लिए इन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। भारत नीतियों, संस्थाओं और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वैश्विक ढांचों के अनुरूप अपनी प्राकृतिक पूंजी और जैव-विविधता प्रतिबद्धताओं को बनाए रखता रहता है। इन प्रयासों के माध्यम से भारत वैश्विक जैव-विविधता लक्ष्यों में योगदान देता है और राष्ट्रीय व स्थानीय स्तरों पर संरक्षण को मजबूत करता है। भारत का दृष्टिकोण स्थानीय प्रबंधन पर जोर देता है, क्योंकि यह माना जाता है कि समुदाय-नीत कार्रवाई व्यापक जैव-विविधता परिणामों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। पिछले दशक में, भारत ने वैज्ञानिक प्रबंधन, आवास पुनर्स्थापना, प्रजाति पुनर्वास कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी को मिलाकर जैव-विविधता संरक्षण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है। संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, वन्यजीव मॉनिटरिंग को मजबूत करना, अवक्षरित पारिस्थितिकी तंत्रों का पुनर्स्थापन और जैविक संसाधनों के स्थायी उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों ने पारिस्थितिक लचीलापन बढ़ाया है, स्थानीय आजीविका का समर्थन किया है और जैव-विविधता संरक्षण में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। संरक्षण लक्ष्यों को स्थायी विकास उद्देश्यों के साथ संरेखित करके, भारत भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपने प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित करने और समावेशी व पर्यावरण-जिम्मेदार विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। जैव-विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता को संदर्भित करती है, जिसमें पौधे, जानवर, सूक्ष्मजीव और वे पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं जो इसे बनाते हैं। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और परागण, मृदा निर्माण, पोषक चक्र, जल शुद्धिकरण और जलवायु नियमन जैसे प्रमुख पारिस्थितिकी सेवाओं का समर्थन करती है। जैव-विविधता प्राकृतिक तंत्रों को बनाए रखती है जो जीवन को संभव और उत्पादक बनाते हैं। जैव-विविधता पर्यावरण और मानव समाजों दोनों के स्वास्थ्य के लिए केंद्रित है। व्यावहारिक रूप से, जैव-विविधता वही है जो पारिस्थितिकी तंत्रों को कार्यशील, लचीला और लोगों का समर्थन करने योग्य बनाती है। जैव-विविधता की रक्षा केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि भारत जैसा पारिस्थितिक रूप से विविध देश के लिए एक विकास प्राथमिकता भी है। जीन को वंशागति की मूल इकाई माना जाता है। जीन माता-पिता से संतान को संप्रेषित होते हैं और भौतिक व जैविक लक्षणों को निर्दिष्ट करने के लिए आवश्यक जानकारी रखते हैं। उदाहरण के लिए, रेड एप्पल, ग्रैनी स्मिथ एप्पल और गोल्डन एप्पल सेब के विभिन्न सांख्यिकीय भिन्न हैं। वहीं, प्रजाति एक जीवों का समूह है जो सफलतापूर्वक प्रजनन करके प्रजनन क्षमता वाली संतति उत्पन्न कर सकते हैं।

वेतन से आगे:विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम
(लेखक नीति आयोग के सदस्य हैं)

कोयंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले। लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई। इससे पहले उनका परिवार सिर्फ़ अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था। यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला। रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के ‘भाग॰’ के तहत मिली पहली किस्त है। इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोज़गार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफ़्ओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है। यह रकम दो किस्तों में दी जाती है: पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद। इसके लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को ईपीएफ़्ओ पोर्टल के ज़रिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कर्मचारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके। रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ़ योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोज़गार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था। यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था। पीएम-वीबीआरवाई के भाग क्क में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज़्यादा रोज़गार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कर्मचारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है। यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है। यह योगदान उस शुरुआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कर्मचारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कर्मचारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है। इस शुरुआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक ‘विकसित भारत’ की ओर बढ़ने के लिए रोज़गार-आधारित विकास के ज़रिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है। कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोज़गार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है। पीएम-वीबीआरवाई का मकसद ‘स्वतंत्र भारत’ से ‘समृद्ध भारत’ तक के सफ़र को मज़बूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज़्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है। इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कर्मचारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71त्र) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30त्र) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोज़गार से जुड़ी हैं। ये कर्मचारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है। सिर्फ़ प्रोत्साहन राशि के अलावा, पीएम-वीबीआरवाई से रवि को एक ईपीएफ़्ओ खाता और एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिला है। इससे वह एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा बन गए हैं, जो भविष्य निधि योगदान, बीमा सुरक्षा और कानूनी रोज़गार लाभ भी देता है। उनके जैसे पहली बार औपचारिक रोज़गार पाने वाले कई लोगों के लिए, यह सामाजिक सुरक्षा कवरेज और एक व्यवस्थित रोज़गार से जुड़ने का एक बेहतर मौका है। लगातार छह महीने तक नौकरी करने की शर्त का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इस योजना के तहत बनी नौकरियां असल करियर की नींव बनें। लंबे समय तक औपचारिक रोज़गार से कई क्षेत्रों में नौकरियों में काम आने वाला कौशल विकसित होता हैं, पेशेवर तौर-तरीके सीखने को मिलते हैं और भविष्य में नौकरी पाने की क्षमता भी मज़बूत होती है। इससे मिलने वाले फ़ायदे योजना के तहत मिलने वाली मदद की अवधि के बाद भी बने रहते हैं। रोज़गार के मौके पैदा करना एक अहम नीतिगत लक्ष्य है। उतना ही ज़रूरी यह सुनिश्चित करना भी है कि रवि जैसे कर्मचारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाए रख सकें, जहाँ रोज़गार के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा कवरेज और संस्थागत सुरक्षा भी मिलती है। जैसे-जैसे ज़्यादा युवा कर्मचारी औपचारिक नौकरियों में छह महीने, एक साल और उससे ज़्यादा समय बिताते हैं, कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आता है और छोटे संस्थान भी औपचारिक तरीके से लोगों को काम पर रखने की प्रक्रिया अपनाते हैं। इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से ज़्यादा नौकरियां मिलने का अनुमान है और औपचारिक अर्थव्यवस्था का यह धीरे-धीरे बढ़ता दायरा ही वह बदलाव है, जिसे तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए पीएम-वीबीआरवाई को लाया गया है।

आकांक्षाओं का गणित:भारत में रोजगार का सवाल अब स्थिरता पर क्यों निर्भर है

डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

जब 1954 में सर आर्थर लुईस ने गरीब अर्थव्यवस्थाओं के अमीर बनने की परिघटना को समझाने का काम शुरू किया, तो उन्होंने विकास की मुख्य प्रक्रिया को पूंजी के संचय के रूप में नहीं बल्कि कामगारों के जीवन-निर्वाह वाली खेती से हटकर अधिक कमाई वाले उद्योगों एवं सेवा क्षेत्रों की ओर मुड़ने के तौर पर पहचाना। उनका यह अनुमान बिल्कुल ही सही था कि यही बदलाव देर से औद्योगीकरण करने वाले हर देश का भविष्य तय करेगा। आज भारत ठीक इसी मोड़ पर खड़ा है और नीति-निर्माताओं के सामने सवाल पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध कराने भर का नहीं है। बल्कि, उनके सामने इससे भी अधिक अहम सवाल यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसी नौकरियां पैदा करने की स्थिति में है या नहीं जो पर्याप्त तादाद में हों, औपचारिक हों और एक युवा कामगार को जीवन भर बढ़ती उत्पादकता एवं सुरक्षा दे सकने लायक टिकाऊ हों। इस जिम्मेदारी के भार को काफी सटीकता से बताया जा सकता है। ‘आर्थिक समीक्षा 2023-24’ ने ‘आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे)’ और आबादी से जुड़े अनुमानों के आधार पर यह अनुमान लगाया है कि इस दशक की बाकी अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था को हर वर्ष लगभग 78.5 लाख गैर-कृषि नौकरियां सृजित करनी होंगी। यह आंकड़ा दो बढ़ते दबावों का नतीजा है: पहला, कामकाज के क्षेत्र में लोगों की भागीदारी बढ़ने के साथ श्रमशक्ति में हो रही लगातार बढ़ोतरी; और दूसरा, संरचनात्मक बदलाव के कारण खेती से बाहर आने वाले कामगार। रोजगार में खेती की हिस्सेदारी अभी भी लगभग 46 प्रतिशत है। वर्ष 2047 तक इस हिस्सेदारी के घटकर एक-चौथाई तक आ जाने की संभावना है। जुलाई 2025 में केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई और उसके अगले महीने से शुरू हुई ‘प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना’ उस अंतर को पाटने की अब तक की सबसे सोची-समझी कोशिश है। इस योजना के तहत, जुलाई 2027 तक की दो वर्षों की अवधि में 3.5 करोड़ से अधिक औपचारिक नौकरियां सृजित करने हेतु ‘कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफ़्ओ)’ के जरिए 99,446 करोड़ रुपये लगाए जा रहे हैं। ईपीएफ़्ओ में पंजीकृत किसी कंपनी में पहली बार शामिल होने वाला और महीने में एक लाख रुपये से कम कमाने वाला कामगार, दो किस्तों में कुल 15,000 रुपये तक पाने का हकदार बन जाता है। दूसरी किस्त वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम (फाइनेंशियल लिटरेसी कोर्स) करने पर और बचत (सेविंग्स) के तौर पर मिलती है। वहीं, निर्धारित आधार-रेखा (बेसलाइन) से अधिक लोगों को नौकरी पर रखने वाले नियोक्ताओं को हर नए कामगार के लिए महीने में 3,000 रुपये तक मिलते हैं। ये शर्तें कुछ इस तरह तय की गई हैं कि छोटी कंपनियां भी इसके दायरे से बाहर हो जाने के बजाय इसमें शामिल हो सकें। यह योजना भर्ती संबंधी सब्सिडी वाले आम व निराशाजनक तरीकों से इसलिए अलग और बेहतर है क्योंकि इसमें पहला लाभ मिलने से पहले छह महीने तक लगातार नौकरी करना आवश्यक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पहली बार काम करने वाले को नौकरी पर रखने का लाभ तभी मिलता है जब वह कर्मचारी काम में कुशल बन जाए और टिका रहे। यह शर्त शुरुआती भर्ती को एक पक्की प्रतिबद्धता में बदल देती है, जिससे नियोक्ता को प्रशिक्षण की लागत वसूलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है और कर्मचारी को भी उतने महीने मिल जाते हैं जिनमें वह असली हुनर सीख सके और भरोसेमंद रिकॉर्ड बना सके। इस तरह, यह योजना केवल नौकरी देने के लिए नहीं बल्कि कर्मचारी को बनाए रखने की अपेक्षाकृत अधिक कठिन प्रक्रिया के लिए पुरस्कृत करती है और इसके बाद कर्मचारी के पास रोजगार क्षमता एक ऐसा ट्रैक रिकॉर्ड होता है जिसका वह कहीं भी सदुपयोग कर सकता है। इस योजना का सबसे अधिक झुकाव मैन्यूफैक्चरिंग की ओर है, जहां नियोक्ता को मिलने वाला प्रोत्साहन दो वर्ष के बजाय चार वर्ष तक मिलता है। समय-सीमा को दोगुनी करने का यह निर्णय औद्योगिक क्षमता तैयार होने में लगने वाले अधिक समय को ध्यान में रखकर लिया गया है। साथ ही, इससे निर्माता (मैन्यूफैक्चरर) समय से पहले स्वचालित व्यवस्था (ऑटोमेशन) लाकर कामगारों को हटाने के बजाय श्रमशक्ति बढ़ाने की ओर प्रेरित होते हैं। अहम बात यह है कि सरकार ने इसे देश को वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग केन्द्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की दृष्टि से जरूरी माना है। ईपीएफ़्ओ के जरिए, हर नए कामगार को एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिलता है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा का पहली बार अहसास होता है। अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले बहुत कम कामगारों को यह सुरक्षा मिल पाती है। इस योजना के शुरुआती नतीजे बेहद उत्साहजनक रहे हैं। इसके शुरू होने के बाद से लगभग 60 लाख नए कर्मचारी नामांकित हुए हैं। इनमें से अधिकतर 30 वर्ष से कम आयु के हैं और 18 लाख से अधिक महिलाएं हैं। वहीं, लगभग 1.77 लाख प्रतिष्ठानों ने 66 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। इन प्रतिष्ठानों में कई ऐसी छोटी कंपनियां शामिल हैं, जहां लंबे समय से अनौपचारिक काम का बोलबाला रहा है। हालांकि, एक अच्छी शुरुआत को पूरी तरह से सफल बदलाव मान लेना नासमझी होगी। इस योजना में धोखाधड़ी में शामिल कंपनियों को बाहर रखने, हर छह महीने में इलेक्ट्रॉनिक रिटर्न के जरिए यह सुनिश्चित करना कि नौकरी सिर्फ कागजों के बजाय असल में बनी हुई है और भुगतान की स्वचालित प्रणाली जैसी कई अच्छी बातें हैं। ये सभी खूबियां इस बात को दर्शाती हैं कि योजनाकारों को इस बात का अहसास है कि ऐसी योजना में उन भर्तियों को लाभ नहीं मिलना चाहिए जो अन्यथा भी हो जातीं। इसकी असली सफलता पहले वर्ष में नामांकित लोगों के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से पता चलेगी कि वे नौकरियां उस प्रोत्साहन के समाप्त होने के बाद भी बनी रहती हैं या नहीं और इससे पैदा होने वाली मांग को पूरा करने के लिए काम के लायक युवा मौजूद हैं या नहीं। इसीलिए, इस योजना की सफलता कौशल को सिखाने में किए जा रहे निवेश से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। यह याद रखना ज़रूरी है कि बेरोजगारी सिर्फ आमदनी से ही वंचित नहीं करती, बल्कि यह लोगों के हुनर, आत्म-सम्मान और समाज में उनकी हैसियत को भी कमजोर करती है। वोल्टेयर ने भी यही बात कही थी जब उन्होंने कैंडिड के जरिए यह निष्कर्ष दिया था कि काम करने से तीन बड़ी समस्याएं - बोरियत, बुराई और अभाव - दूर रहती हैं। इस तरह की योजना की अहमियत इसलिए है क्योंकि यह रोजगार के सही और संपूर्ण मतलब को समझती है। यह औपचारिक नौकरी को सिर्फ गिनती के आंकड़े के तौर पर नहीं, बल्कि कामकाजी जीवन की पहली सुरक्षित सीढ़ी के तौर पर देखती है। अब जबकि भारत 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है, तो चुनौती इस बात की है कि इस योजना में दिखाई गई धैर्य की भावना को बनाए रखा जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि युवाओं को सार्थक रोजगार, जिसे प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय परियोजना के केन्द्र में रखा है, कुछ समय के प्रोत्साहन तक सीमित रहने के बजाय एक पूरी पीढ़ी के लिए टिकाऊ, उत्पादक और सम्मानजनक काम के रूप में मिले।

(लेखक भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं)

स्वस्थ भारत, सशक्त भारत-स्वास्थ्य देखभाल विकास के 12 वर्ष

श्रीमती अनुप्रिया पटेल

बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली से आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, कार्यबल की संख्या में बढ़ोतरी होती है और विकास दीर्घावधि तक होता है। इसलिए, अच्छी सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा संकेत है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति भी है। यह वह आधार है, जिस पर मानवीय क्षमता का निर्माण होता है और देश की ताकत मापी जाती है। इसलिए, बेहतर सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति है और इसमें लगाया गया हर रुपया देश के लोगों में किया गया निवेश है। इस तरह, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) , यानी यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, बिना किसी आर्थिक परेशानी के, जब और जहाँ ज़रूरत हो, अच्छी गुणवत्ता की सभी ज़रूरी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर सकें। यह न केवल 2030 तक हासिल किया जाने वाला सतत् विकास का लक्ष्य है, बल्कि सेहत से जुड़ी एक प्राथमिकता भी है। भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (एनएचपी 2017), सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और एसडीजी 3 को हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप है और यह एक सरल लेकिन मज़बूत सोच पर आधारित है -स्वास्थ्य सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुँच होनी चाहिए। इसके चार स्तंभ, किफायती होना, पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता , उस सोच को वास्तिवकता में बदलते हैं और जीवन के सभी चरणों में देखभाल की एक व्यापक व्यवस्था को मज़बूत करते हैं। लक्ष्यों के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राज्यों को स्वास्थ्य प्रणाली का एक एकीकृत तीन-स्तरीय मॉडल प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी इलाकों (कमज़ोर वर्गों सहित) के बीच दोतरफा रेफरल लिंक शामिल हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्राथमिक स्तर पर बीमारी से बचाव, सेहत को बढ़ावा देने, इलाज, पुर्नवास और प्रशामक देखभाल जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। ईसंजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म इन एएएम के ज़रिए समुदाय को विशेषज्ञों से जोड़कर विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। साथ ही, एक खास टेली-मानस प्लेटफ़ॉर्म भी है, जिसने अब तक कुल 38.93 लाख लोगों तक पहुँच बनाई है। एएएम से जुड़े द्वितीय स्तर के केंद्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी)/प्रथम रेफरल इकाई (एफ़आरयू) और ज़िला अस्पताल (डीएच) होते हैं, जो विशेषज्ञ के समक्ष इलाज और अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के लिए रेफरल का पहला ज़रिया होते हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक संस्थान सबसे ऊपर होते हैं और ज़्यादा जटिल व सुपर-स्पेशलिस्ट सेवाओं की ज़रूरतें पूरी करते हैं। इस तीन-स्तरीय प्रणाली को सरकारी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी का समर्थन प्राप्त है। पिछले दशक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर होने वाला खर्च 168त्र बढ़ गया है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का सफ़र व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही से समस्या होने से पहले ही ध्यान रखने वाली देखभाल की ओर ज़रूरी बदलाव को दिखाता है। व्यापक स्वास्थ्य पैकेजों की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 करना, भारत की बदलती आबादी और बीमारियों के बदलते पैटर्न के हिसाब से उठाया गया एक ज़रूरी कदम है। बढ़ती उम्र की आबादी और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते मामलों की दोहरी चुनौतियों का सामना करते हुए, इसके दायरे में गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, आपातकालीन सेवाएँ, आँख, कान-नाक-गला (ईएनटी) और मुँह की सेहत के साथ-साथ योग और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं। यह सब उस आबादी की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो भारत अब बन रहा है। मई 2026 तक, देश भर में 1.8 लाख से ज़्यादा एएएम काम कर रहे हैं, ताकि लोगों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। इस विस्तार का असर एएएम में 120 करोड़ से ज़्यादा ओपीडी परामर्श, 70 करोड़ से ज़्यादा ईसंजीवनी टेली-परामर्श और अच्छी सेहत व कल्याण को बढ़ावा देने वाले 46.1 करोड़ से ज़्यादा वेलनेस सत्रों में साफ़ दिखता है। प्राथमिक देखभाल स्तर पर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन और आम कैंसर (जैसे ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर) के लिए आबादी-आधारित स्क्रीनिंग 30 साल से ज़्यादा उम्र के सभी वयस्कों के लिए की जाती है, जिससे बीमारी का जल्दी पता लगाना एक सामान्य प्रक्रिया बन जाती है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत सेवा वितरण का एक अहम हिस्सा है, जो एनसीडी की रोकथाम को व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में शामिल करती है। एनसीडी सेवाओं का विस्तार बीमारी का जल्दी पता लगाने, रोकथाम, प्रबंधन और इलाज के लिए एक बहु स्तरीय प्रयास है। समर्पित एनसीडी क्लीनिक, डे-केयर कैंसर केंद्र , तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्र और राज्य कैंसर संस्थान, उन्नत ऑन्कोलॉजी सेवाओं को विकेंद्रीकृत करते हैं और विशेषज्ञ देखभाल को मरीज़ के करीब लाते हैं।

जो वस्तु जितनी मात्रा में धर्म से बनी है, वह उतनी मात्रा में ही सुख देती हैः अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद/दाहोद गुजरात। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज की अहिंसा संस्कार पदयात्रा दिक्षा भुमी परतापुर बांसवाड़ा से पुष्पगिरी की और चल रही है उसी श्रृंखला में आज दाहोद गुजरात में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि। तो विश्वास किजिए - उस समय आपका जवाब महत्वपूर्ण नहीं है। आप अपने दिल की धड़कन को कन्ट्रोल करना अन्यथ- पत्नी द्वारा आपका नार्को टेस्ट हो जायेगा..जरा सी धड़कन बढ़ी कि खेल खत्म..!

आज तक बड़े-बड़े महापुरुष भी नहीं समझ पाये कि सुख का कारण क्या है-? यदि सुख का कारण पत्नी है तो ऐसी अनेक पत्नियां है, जिन्होंने अपने पति को ही मार डाला - प्रेमी के लिए, धन के लिए, या और भी अन्य कारण हो। यदि आंकड़े देखे जायें, तो 100 में से 5 लोग भी नहीं मिलेंगे, जो पत्नी के सुख से सुखी हो। संसार में एक ही रिश्ता ऐसा है जो बिन कारण से लड़ता झगड़ता है - वो है पति पत्नी। एक पत्नी से तीन कार्य हो रहे हैं। पत्नी पहले सुख देती है, फिर दु:ख देती है और फिर बाद में ना जीने देती है, ना मरने। यदि पत्नी, बच्चे, घर, परिवार, मकान, महल, मोटर गाडी, खाना, पीना, कपड़े और भी बहुत कुछ चीजों से सुख मिलता तो बड़े-बड़े महापुरुष करोड़ो अरबों की धन सम्पत्ति छोड़कर क्यों वन की ओर प्रस्थान करते-? ये सुख ऐसा ही है जैसे - तलवार की धार पर शहद लगी हो। जो भी शहद खाएगा, उसे पहले शहद का मीठापन भायेगा, फिर जिन्दगी भर भागेगा और कहीं भी नही पहुंच पायेगा। फिर प्रश्न उठता है - सुख कहाँ है-? पाप का फल - दु:ख, पुण्य का फल - सुख और धर्म का फल - सुख ही सुख। जो वस्तु जितनी मात्रा में धर्म से बनी है, वह उतनी मात्रा में ही सुख देती है। जितनी मात्रा में अधर्म और पाप होता है, उसका फल भी उतना ही मिलता है। दु:ख का फल - नरक,, सुख का फल - स्वर्ग और धर्म का फल - मोक्ष। कहने का मतलब है - सुख का मूल कारण धर्म ही है। इसलिए धर्म का मार्ग कभी नहीं छोड़ना...!!!आज अंतर्मना-अहिंसा-संस्कार पदयात्रा दिशा-दाहोद की ओर बढते परम पूज्य गुरुदेव भारत गोरव विश्व के सर्वश्रेष्ठ तपस्वी उत्तम सिंह निष्क्रिडित व्रत्तकर्ता अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज जी चतुर्विघ संघ का भव्य मंगल पद विहार दिनाँक 17 जून 2026, बुधवार सुबह 5.30 बजे से आदर्श निवासी शाला, छात्रावास (हॉस्टल), कॉलेज रोड, से महेन्द्र भवन,नवा मंदिरजी, दाहोद गुजरात 5.7 किलोमीटर के लिए हुआ।

जैन क्रिकेट कप 2026 का भव्य समापन, जैन टाइटंस बनी चैंपियन

- युवाओं को जोड़ने जेसीसी क्रिकेट लीग का आयोजन, जैन टाइटंस बनी चैंपियन

भोपाल। जैन समाज के प्रतिष्ठित खेल महाकुंभ जैन क्रिकेट कप (छ्ष्टष्ट) 2026 का भव्य और रोमांचक समापन स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड, भोपाल में हुआ। पांच दिनों तक चली इस फ्लड लाइट (या डे-नाइट) प्रतियोगिता में समाज के युवाओं ने खेल भावना, कड़े अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का बेजोड़ परिचय दिया। टूर्नामेंट के बेहद रोमांचक और अंतिम क्षणों तक खिंचे फाइनल मुकाबले में जैन टाइटंस ने अपने शानदार और आक्रामक खेल के दम पर खिताबी जीत दर्ज की, वहीं बांगा 11 को उपविजेता के खिताब से संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में गेंद और बल्ले से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले श्रीरिल बसल को %मैन ऑफ द मैच% चुना गया। वहीं, पूरे टूर्नामेंट में अपने निरंतर और लाजवाब प्रदर्शन के लिए रचित चौधरी को मैन ऑफ द सीरीज के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। फाइनल दिवस पर क्वालीफायर मुकाबलों के साथ-साथ किड्स मैच एवं विशेष आकर्षण लेजेंड्स मैच का भी आयोजन किया गया, जिसमें जैन समाज के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित सदस्यों ने भाग लेकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन, युवा, महिलाएं एवं क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि जैन क्रिकेट कप का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं को एक सकारात्मक मंच प्रदान करना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, खेल भावना विकसित करना और सामाजिक एकता को मजबूत करना है।

कलेक्टर ने ली नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि परीक्षा संचालन के समय सभी केन्द्राध्यक्ष परीक्षा केन्द्रों में फर्नीचर, बिजली, पंखा, साफ-सफाई, पेयजल, वॉशरूम की सफाई, पार्किंग, दीवाल घड़ी की व्यवस्था, जनरेटर (डीजी सेट) की व्यवस्था, वीडियोग्राफर की व्यवस्था एवं साउंड सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केन्द्राध्यक्ष प्रश्न-पत्र की सील बन्दपेटी रखने के लिए अलग से स्ट्रांग रूम की व्यवस्था करें एवं हर केन्द्र में मेडिकल टीम एवं फ्रिस्किंग टीम की बैठने की व्यवस्था करें।

उल्लेखनीय है कि जिले में 25 परीक्षा केन्द्र हैं जिसमें 9 हजार 50 विद्यार्थी उपस्थित होंगे। इस परीक्षा में 3 हजार 3 सौ 48 पुरूष, 5 हजार 6 सौ 65 महिला एवं 37 दिव्यांग विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक है। परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश आधे घण्टे पहले 1:30 बजे तक दिया जाएगा तत्पश्चात् प्रवेश द्वारा बंद कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर ग्रामीण एसपी श्रीमती श्वेता सिन्हा, अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान सिंह राठौर, अपर कलेक्टर श्री मनीष मिश्रा एवं कमिश्नर एसपी श्री राहुल देव शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थिति रहे।

बिना लाइसेंस के बेच रहे थे खाद एवं बीज, जांच टीम ने किया जब्त

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार लगातार जिले के कृषि केन्द्रों में सघन अभियान के माध्यम से छापेमारी की कार्यवाही जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को बिना लाइसेंस के खाद -बीज विक्रय करने पर जांच टीम के द्वारा गोदाम सील कर खाद और बीज जब्त किया गया। विकासखण्ड बलौदाबाजार के बीज निरीक्षक जयइन्द्र कंवर एवं उर्वरक निरीक्षक लोकनाथ दीवान द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम सरखोर, विकासखंड बलौदाबाजार स्थित गोवर्धन कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में बिना अनुज्ञप्ति के प्रोप्राईटर चन्दाराम वर्मा के द्वारा बीज एवं उर्वरकों का विक्रय कृषकों को

किया जाना पाया गया, जो कि पूर्ण रूप से अवैध है। विक्रेता को कीटनाशक की अनुज्ञप्ति ही जारी की गई है, किंतु विकास ट्रेडर्स के नाम से अन्य गोदाम में 7.75 मे. टन उर्वरकों का अवैध भंडारण किया गया था, जिसका संचालन गोवर्धन कृषि केंद्र के संचालक द्वारा ही किया जा रहा है। गोवर्धन कृषि केंद्र में गोदाम का जांच किए जाने पर अवैध रूप से 12.5 क्विंटल बीज का भण्डारण भी पाया गया। इस प्रकार विक्रेता द्वारा बिना लाइसेंस के उर्वरक एवं बीज का व्यवसाय किया जा रहा था।

लोकतंत्र सेनानी संघ ,सहयोगी संगठन लोकतंत्र प्रहरी नारी शक्ति के प्रांतीय व रायपुर जिला पदाधिकारी घोषित

रायपुर (विश्व परिवार)। लोकतंत्र सेनानी संघ के सहयोगी संगठन लोकतंत्र प्रहरी नारी शक्ति की आज प्रदेश कार्यालय उपासने निवास में संपन्न बैठक में प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस ने प्रहरी के राष्टीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने की सहमति से नारी शक्ति के प्रदेश पदाधिकारी व रायपुर जिला पदाधिकारी की पहली सूची जारी की, जिसके अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पद पर श्रीमती सीमा शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष साधना चक्रवर्ती, दीपाली चौधरी,लक्ष्मी यादव, अमृता श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री श्रीमती प्रिया सिंग, प्रदेश मंत्री नंदिनी ठाकुर,सविता मौर्य । कोषाध्यक्ष रेखा शर्मा । प्रदेश कार्यालय मंत्री मेरी स्वामी ।

मीडिया प्रभारी गायत्री साहू, सोशल मीडिया प्रभारी पूर्णिमा चौकसे नियुक्त किए गए है । उसी प्रकार रायपुर जिला अध्यक्ष पद पर श्रीमती सीमा कटंककार, उपाध्यक्ष ज्योति देवांगन, महामंत्री कमल रंधावा, हर्षिता लांजेवार, मंत्री ज्योति सरकार को नियुक्त किया है ।

रायपुर संभागीय अध्यक्ष पद पर श्रीमती सुनीता पाठक की नियुक्ति की गई । नियुक्ति पश्चात सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र राष्टीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने के कर कमलों से प्रदान किए गए ।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को प्रदेश में स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर होगा विशेष कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। 21 जून 2026 को इस बार स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 21 जून अंतर्राष्टीय योग दिवस के आयोजन को लेकर जिला मुख्यालयों से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला मुख्यालयों में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री द्वय, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण मुख्य अतिथि होंगे। छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले सामूहिक योगाभ्यास में मुख्य अतिथि नामांकित किया गया है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में 21 जून को राजधानी रायपुर में अंतर्राष्टीय योग दिवस के मौके पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में सरगुजा जिले में सुबह 7 बजे सामूहिक योगाभ्यास होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे। जारी आदेश के तहत केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू बिलासपुर में, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव दुर्ग में, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा कबीरधाम, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव में 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले अंतर्राष्टीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि होंगें।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों का रायपुर एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। नमन हॉलिडेज़ द्वारा संचालित कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 के सभी यात्री 17 जून 2026 को सफलतापूर्वक एवं सकुशल रायपुर लौटे। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर उनके परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यात्रा दल 4 जून 2026 को कैलाश मानसरोवर के लिए रवाना हुआ था। नमन हॉलिडेज़ के संस्थापक श्री सरनजीत सिंह ने बताया कि यह उनकी 18वीं कैलाश मानसरोवर यात्रा थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अत्यधिक ठंड एवं बर्फबारी के कारण यात्रा चुनौतीपूर्ण रही, किन्तु सभी यात्रियों ने पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ यात्रा को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने राक्षसताल, पवित्र मानसरोवर झील परिक्रमा,

अष्टपद यात्रा एवं कैलाश परिक्रमा के दर्शन एवं पुण्य लाभ प्राप्त किए। साथ ही यात्रियों को दुर्लभ अमृत वर्षा एवं स्वर्णिम कैलाश (गोल्डन कैलाश) के निकट एवं स्पष्ट दर्शन का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। यात्रियों के अनुसार यह यात्रा केवल एक तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि जीवन को नई दिशा देने वाला एक आध्यात्मिक एवं परिवर्तनकारी अनुभव रही। इस यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं में डॉ. सीमा जिंदल, पिंकी अग्रवाल, करुणा ठाकुर, रीमा ठाकुर, पार्वती अग्रवाल, मीना देवी अग्रवाल, शशिबाला सिंह, वंदना बोकड़े, लता हेडाऊ, रेखा देवांगन, मंजू अग्रवाल, निशांत देवांगन, राजेश कुमार देवांगन, प्रदीप श्रीवास्तव, अरुण प्रताप सिंह एवं नवल किशोर अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सेव एवरी ड्रॉप मिशन के तहत जल संरक्षण हेतु रोटरी का विशेष अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे अमित-पल्लवी जायसवाल ने डिस्ट्रिक्ट 3261 के अंतर्गत आने वाले सभी 100 रोटरी क्लबों के अध्यक्षों, सचिवों, असिस्टेंट गवर्नर्स एवं सिटी कोऑर्डिनेटर्स को पूरे वर्ष उत्कृष्ट सेवा कार्यों के सफल संचालन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान रोटरी वर्ष के समापन में अब केवल 14 दिन शेष हैं। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट द्वारा संचालित "Save Every Drop Mission" के अंतर्गत सभी क्लबों से अपने-अपने क्षेत्रों में कम से कम एक जल संरक्षण गतिविधि आयोजित करने का आग्रह किया गया है। इसमें विद्यालयों में जागरूकता अभियान, ग्राम स्तर पर जनजागरण कार्यक्रम अथवा रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट जैसी गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट के आगामी प्रांतपाल (28-29) रोटे नवीन भवसार, डिस्ट्रिक्ट मैनेजमेंट सदस्य रोटे अंजुल जैन, असिटेंट गर्वनर रोटे अंकुर महेश्वरी, रोटे अभिषेक केशरवानी, रोटे मयंक साहू, रोटे सौरभ माहेश्वरी, रोटे विनय अग्रवाल, सिटी कॉर्डिनेटर भरत डागा एवं डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरमैन रोटे नितिन जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में जल संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि डिस्ट्रिक्ट का लक्ष्य 1 लाख लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

बहुप्रतीक्षित ग्राम धौराबन्द-बंशापुर से प्राणखैरा तक होगा सड़क निर्माण

- 3.76 करोड़ से अधिक की लागत, विधायक भावना बोहरा ने किया भूमिपूजन*

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधानसभा के दूरस्थ ग्रामों में वर्षों से लंबित सड़कों के निर्माण, पुल-पुलियों की स्वीकृति और आधारभूत संरचनाओं के विस्तार के लिए विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों का परिणाम आज जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सड़क निर्माण के माध्यम से गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों को नया बल मिल रहा है। इसी कड़ी में आज ग्राम प्राणखैरा में विधायक भावना बोहरा ने क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित ग्राम

धौराबन्द-बंशापुर से प्राणखैरा तक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी। 3 करोड़ 76 लाख 23 हजार रुपए की लागत से 2.312 किलोमीटर तक पुल-पुलिया सहित निर्मित होने वाले इस सड़क से धौराबन्द, आमादाह, बंशापुर एवं प्राणखैरा सहित आस-पास के सैकड़ों ग्रामीणों को इसका लाभ मिलेगा। इसके साथ ही इस सड़क निर्माण से दामापुर क्षेत्र और उससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को जिन्हें पहले कवर्धा, बोड़ला एवं रायपुर के लिए लम्बी दूरी तय करना पड़ता था अब इस सड़क के निर्माण से उनकी दूरी कम होगी साथ ही उनके श्रम, समय व आर्थिक बचत का लाभ भी मिलेगा। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों में उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला और सभी ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी और विधायक भावना बोहरा के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि लगभग 3 करोड़ 76 लाख रुपये से अधिक की लागत से निर्मित होने वाली यह सड़क लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही है, जिसके पूरा होने से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। अच्छी सड़कें केवल गांवों को जोड़ने का कार्य नहीं करतीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और आर्थिक उन्नति के नए अवसर भी प्रदान करती हैं। पंडरिया विधानसभा में लगातार बहुप्रतीक्षित सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक विकास, अधोसंरचना, सुविधा और सुगम आवागमन की पहुँच सुनिश्चित हो सके। इस सड़क के बनने से क्षेत्रवासियों को बारहमासी सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी जिससे विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं और मरीजों को पूर्व में हो रही आवागमन की समस्या का समाधान होगा। इसके साथ ही पूर्व में दामापुर और उससे लगे आस-पास के ग्रामीणों को कवर्धा, रायपुर और बोड़ला आने-जाने के लिए लम्बी दूरी तय करनी पड़ती थी जिससे समय व श्रम अधिक लगता था लेकिन अब इस सड़क के बनने से उनकी दूरी कम होगी और उनके श्रम व समय की बचत होगी। सड़क किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है, आज पंडरिया विधानसभा में जनता की सुविधा और सुगम आवागमन के लिए सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। ग्रामीण, वनांचल व नगरीय निकाय क्षेत्रों में विगत वर्षों में 500 किलोमीटर से अधिक के सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर हैं जिसमें से कुछ पूर्ण हो चुके हैं और बाकि तय समय पर पूर्ण पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ पूर्ण कर लिया जाएगा।

श्योपुर समाज ने किया आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज को श्रीफल भेंट

जयपुर। तपोभूमि प्रणेता पूज्य आचार्य 108 श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के आगामी श्योपुर मंगल आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में अपार उत्साह एवं उमंग का वातावरण है। इसी क्रम मंगलवार को दुर्गापुरा जैन मंदिर जयपुर में विराजमान पूज्य गुरुदेव के श्रीचरणों में श्योपुर प्रवास हेतु श्रीफल भेंट कर मंगल आगमन का विनम्र निवेदन किया गया।

लगभग 10 वर्षों के लंबे अंतराल के पश्चात पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज का श्योपुर में मंगल प्रवेश होने जा रहा है, जिससे संपूर्ण क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का माहौल है। आगामी 21 जून 2026, रविवार प्रातः 7ः00 बजे श्योपुर-प्रताप नगर दक्षिण संभाग में पूज्य गुरुदेव का भव्य मंगल प्रवेश प्रस्तावित है।

राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग अध्यक्ष श्री चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि गुरुदेव के मंगल प्रवेश को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने के लिए समाज के विभिन्न संगठनों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

इस अवसर पर प्रबंधकारिणी कमेटी के मंत्री श्री नेमीचंद जी निमोडिया , उपाध्यक्ष श्री मुकेश जी बनेठा, कोषाध्यक्ष श्री सतीश जैन माधोराजपुरा कार्यकारी सदस्य श्री देवेंद्र जी बाकलीवाल प्रवीण जैन एवं गोविंद जैन टोरड़ी, युवा मंडल अध्यक्ष श्री निमेष गंगवाल, मंत्री श्री अनीश जैन, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रत्नप्रभा जी पापड़ीवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

मोतीसंस ज्वैलर्स लिमिटेड ने क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए 150 करोड़ रुपये, एफपीआई और एआईएफ बने आवंटी

जयपुर। आभूषण उद्योग की अग्रणी और तेजी से उभरती कंपनी मोतीसंस ज्वैलर्स लिमिटेड (BSE: 544053, NSE: MOTISONS) ने 11 जून 2026 को आयोजित अपनी बोर्ड बैठक में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (QIP) के तहत 150 करोड़ रुपये जुटाने के लिए 13,57,46,600 इक्विटी शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी। इन शेयरों का इश्यू प्राइस 11.05 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया। कंपनी ने यह शेयर पात्र क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIBs) को आवंटित किए हैं। आवंटियों में प्रमुख विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) पाइन ओक ग्लोबल फंड, मिंट फोकस्ड ग्रोथ फंड पीसीसी-सेल 1, सेंट क्या कैपिटल फंड और नोवा ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज फंड पीसीसी-टचस्टोन शामिल हैं। इसके अलावा कॉम्पैक्ट स्ट्रक्चर फंड तथा टाइगर स्ट्रेटेजीज फंड-1 जैसे वैकल्पिक निवेश फंड (AIFs) को भी शेयर आवंटित किए गए हैं। इससे पहले कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए मजबूत वित्तीय परिणाम घोषित किए थे। वित्त वर्ष 2025-26 (FY26) में कंपनी का कुल राजस्व 49,583.69 लाख रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.12 प्रतिशत अधिक है। वहीं कंपनी का कर पश्चात लाभ (PAT) बढ़कर 6,370.77 लाख रुपये पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 4,317.11 लाख रुपये की तुलना में 47.57 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। कंपनी का प्रति शेयर आय (EPS) 0.65 रुपये दर्ज किया गया। मोतीसंस ज्वैलर्स लिमिटेड पिछले दो दशकों से अधिक समय से ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है। कंपनी सोने, हीरे, कुंदन तथा अन्य बहुमूल्य एवं अर्द्ध-बहुमूल्य रत्नों से निर्मित आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराती है। इसके अतिरिक्त कंपनी मोती, चांदी, प्लेटिनम और अन्य धातुओं से बने उत्पादों के साथ-साथ सोने-चांदी के सिक्के, बर्तन और विभिन्न सजावटी वस्तुएं भी ग्राहकों को प्रदान करती है। लगभग 25 वर्षों के सफल अनुभव के साथ मोतीसंस ज्वैलर्स ने अपने ब्रांड 'मोतीसंस' को देशभर में एक विश्वसनीय पहचान दिलाई है।

कचना ध्रुवा की धरती पर विकास का बड़ा तोहफा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया गोंडवाना भवन का लोकार्पण

1.07 करोड़ की लागत से बना भवन, बाउंड्रीवाल, ग्रंथालय और सौंदर्यीकरण के लिए 63 लाख रुपए की अतिरिक्त घोषणाएं

गरियाबंद (विश्व परिवार)। आदिवासी समाज की आस्था और गौरव की प्रतीक कचना ध्रुवा की पावन भूमि पर मंगलवार को विकास और सांस्कृतिक संरक्षण का नया अध्याय जुड़ गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्राम दर्रापारा में अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा केंद्रीय समिति बिन्द्रानवागढ़ द्वारा निर्मित 1 करोड़ 07 लाख रुपए की लागत वाले कचना ध्रुवा गोंडवाना भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उनका आदिवासी परंपरा के अनुरूप पगड़ी पहनाकर और पीला चावल से तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व आदिवासी देवस्थल देवठाना में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में मौजूद मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने भी वृक्षारोपण किया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कचना ध्रुवा की भूमि आदिवासी समाज की संस्कृति, आस्था और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने गोंडवाना भवन निर्माण के लिए समाज को बधाई देते हुए कहा कि यह भवन भविष्य में सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से बनी सरकार मोदी की गारंटी के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख गरीब परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 10 लाख 60 हजार से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपए प्रति मानक बोरा तथा महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी नक्सल प्रभावित रहे बस्तर और गरियाबंद क्षेत्रों में अब विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से बस्तर के 500 गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। राशन दुकान, स्कूल और स्वास्थ्य सेवाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं।

उन्होंने बताया कि श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 42 हजार श्रद्धालु अयोध्या दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से भी लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के तहत अब तक 757 करोड़ रुपए का बिजली बिल माफ किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने अटल डिजिटल केंद्रों और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 का उल्लेख करते हुए कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणाएं- कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कचना ध्रुवा गोंडवाना भवन के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इनमें भवन की बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 27 लाख रुपए, छात्र-छात्राओं के लिए ग्रंथालय निर्माण हेतु 20 लाख रुपए, भगवान कचना ध्रुवा की प्रतिमा स्थापना हेतु 6 लाख रुपए तथा भवन सौंदर्यीकरण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा शामिल है।

संस्कृति संरक्षण और आत्मनिर्भरता पर जोर- आदिम जाति विकास मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि समाज की मांग और सोच के अनुरूप लगभग ढाई एकड़ भूमि में यह भव्य भवन निर्मित किया गया है। उन्होंने कहा कि समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखते हुए नई पीढ़ी को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री एवं खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक रोहित साहू, पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक गोवर्धन मांझी, ओंकार शाह, शिशुपाल सोरी, नीलकंठ टेकाम, आसाराम नेताम, गौरीशंकर कश्यप, अनिल चंद्राकर, सोहन लाल ध्रुव, नगीता दीवान, कलेक्टर भगवान सिंह उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सम सिरमौर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाज के सदस्य, महिलाएं और युवा उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही पिपरछेड़ी थाना पहुंचे अमितेश शुक्ल, किसानों की लड़ाई में दिखे अग्रिम पंक्ति के नेता

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में व्याप्त खाद संकट और किसानों की लगातार बढ़ती परेशानियों को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष काला झंडा दिखा विरोध दर्ज कराने निकले सैकड़ों कार्यकर्ताओं को मंगलवार को पाण्डुका स्थित चारोधाम चौक में पुलिस ने रोककर हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं को बसों में बैठाकर लगभग 40 किलोमीटर दूर पिपरछेड़ी थाना पहुंचा दिया गया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र का राजनीतिक माहौल गर्मा गया।जिले के किसानों का आरोप है कि सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी एरिया खाद उपलब्ध नहीं है। किसानों को मात्र एक एकड़ के लिए एक बोरी खाद देने की बात कही जा रही है, जिससे खरीफ सीजन की तैयारियां प्रभावित हो रही हैं। किसानों की इन्हीं समस्याओं और खाद संकट के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रूपेश साहू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री को काला झंडा दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराने निकले थे।

कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की सूचना मिलते ही पूर्व पंचायत मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमितेश शुक्ल तत्काल रायपुर से पिपरछेड़ी थाना पहुंचे।थाने पहुंचकर उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की,उनका हालचाल जाना और उनका मनोबल बढ़ाया।अचानक अमितेश शुक्ल के पहुंचने से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

अमितेश शुक्ल ने कहा कि किसानों की समस्याओं को उठाना कोई अपराध नहीं है। लोकतंत्र में जनता और किसानों की आवाज को दबाने का प्रयास किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि खाद के लिए किसान परेशान हैं,लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय विरोध की आवाज को रोकने में लगी हुई है।

थाना परिसर में अधिकारियों से चर्चा करते हुए श्री शुक्ल ने स्पष्ट रूप से कहा कि हिरासत में लिए गए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उनके खिलाफ कोई अनावश्यक कार्रवाई नहीं की जाए। उन्होंने प्रशासन को यह भी याद दिलाया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में खाद संकट गंभीर रूप ले चुका है।समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से किसान चिंतित हैं,लेकिन सरकार जमीनी समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय विरोध प्रदर्शनों को रोकने में अपनी ऊर्जा खर्च कर रही है। नेताओं ने कहा कि किसानों की आवाज को दबाने के हर प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा।अमितेश शुक्ल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा किसानों, मजदूरों और आम जनता के हितों की लड़ाई लड़ती रही है। किसानों के अधिकारों और सम्मान से जुड़ा यह संघर्ष आगे भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगा।उन्होंने भरोसा दिलाया कि खाद संकट सहित किसानों की हर समस्या को शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा और समाधान होने तक कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं।

मुख्यमंत्री दौरे से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्ष नजरबंद, सियासत गरम

काला झंडा प्रदर्शन की आशंका पर पुलिस कार्रवाई, कांग्रेस ने बताया लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों के गरियाबंद दौरे से पहले जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा को उनके गृह ग्राम स्थित निवास पर पुलिस निगरानी में रखे जाने के आरोप ने जिले की राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया है।

बुधवार को जिला मुख्यालय के पुलिस लाइन मैदान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, सांसद रूपकुमारी चौधरी तथा अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस द्वारा खाद की कमी, बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि, बेरोजगारी और अन्य जनसमस्याओं को लेकर काला झंडा दिखाकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी की जा रही थी। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि इसी संभावित विरोध प्रदर्शन को रोकने के उद्देश्य से देवभोग पुलिस ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा को उनके गृह ग्राम दरलीपारा स्थित निवास पर ही नजरबंद कर दिया, जिससे वे जिला मुख्यालय पहुंचकर आंदोलन में शामिल न हो सकें।

यह लोकतंत्र की हत्या है : सुखचंद बेसरा

नजरबंदी के बाद सुखचंद बेसरा ने सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है। यदि जनहित के मुद्दों को उठाने वाले विपक्षी नेताओं को रोका जाता है, तो यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

बेसरा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में खाद संकट, जंगलों की कटाई, बेरोजगारी, बढ़ती बिजली दरें और महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार जवाब देने के बजाय विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने भाजपा सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता के सवालों को दबाने की कोशिश अंततः सरकार के लिए ही नुकसानदायक साबित होगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में रोष

घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में नाराजगी फैल गई। पार्टी नेताओं ने पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया। सोशल मीडिया सहित विभिन्न मंचों पर भी इस घटनाक्रम को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

करोड़ों की सौगात, लेकिन खाली रहा पंडाल: मुख्यमंत्री के इंतजार में थकी जनता, कार्यक्रम से बनाई दूरी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय में बुधवार को आयोजित मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कार्यक्रम में एक ओर जहां जिले को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी गई,वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम में जनता की कम उपस्थिति चर्चा का विषय बन गई। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले ही बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल से लौट गए, जिसके चलते पंडाल की अधिकांश कुर्सियां खाली नजर आईं।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री का कार्यक्रम दोपहर बाद निर्धारित था और प्रशासन ने बड़े स्तर पर तैयारियां की थीं। सुबह से ही विभिन्न गांवों और क्षेत्रों से लोगों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया गया था। दोपहर 12 बजे से लोग मुख्यमंत्री के आगमन का इंतजार करते रहे,लेकिन मुख्यमंत्री निर्धारित समय से करीब ढाई घंटे विलंब से पहुंचा। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री का आगमन दोपहर 2:40 बजे प्रस्तावित था,लेकिन वे शाम करीब 5:30 बजे गरियाबंद पहुंचे।

मुख्यमंत्री सबसे पहले ग्राम दर्रापारा स्थित कचना धुर्वा गोंडवाना के नवनिर्मित समाज भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मंच पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी रही, लेकिन पंडाल में अपेक्षित भीड़ दिखाई नहीं दी। वही देखा गया कि लंबे इंतजार और भीषण गर्मी के कारण बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही वापस लौट गए। कई लोग घंटों तक मुख्यमंत्री के आगमन की प्रतीक्षा करते रहे,लेकिन देरी बढ़ने के साथ उनकी संख्या कम होती चली गई। नतीजतन जब मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पहुंचे, तब तक पंडाल में लगी अधिकांश कुर्सियां खाली हो चुकी थीं।

कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और सत्तारूढ़ दल द्वारा बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने का दावा किया गया था,लेकिन वास्तविक स्थिति इससे अलग दिखाई दी। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों का कहना था कि यदि मुख्यमंत्री निर्धारित समय पर पहुंचते तो भीड़ कहीं अधिक होती। देर से आगमन का असर सीधे कार्यक्रम की उपस्थिति पर पड़ा।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में खाली कुर्सियों की तस्वीरें और वीडियो अब राजनीतिक चर्चाओं का विषय बन गई हैं। विपक्षी दल इसे सरकार के प्रति जनता की घटती रुचि से जोड़कर देख रहे हैं,जबकि भाजपा नेता कार्यक्रम की सफलता और विकास कार्यों की सौगात को प्रमुख उपलब्धि बता रहे हैं।

हालांकि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जिले के विकास,अधोसंरचना और सामाजिक भवनों के निर्माण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कई घोषणाएं कीं,लेकिन कार्यक्रम में जनता की सीमित मौजूदगी ने करोड़ों की सौगात वाले इस आयोजन की चमक को फीका कर दिया।

एक तरफ मंच से विकास के दावे गूंजते रहे, दूसरी तरफ खाली कुर्सियां कार्यक्रम की वास्तविक तस्वीर बयां करती रहीं।

जनजातीय गौरव को सहेजते हुए विकास के नए आयाम गढ़ रही है सरकार : सीएम साय

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया कचना धुरवा गोंडवाना भवन का लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज गरियाबंद जिले के ग्राम दर्रापारा में अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा केंद्रीय समिति बिन्द्रानवागढ़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 1 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से निर्मित कचना धुरवा गोंडवाना भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आदिवासी परंपरा के अनुरूप मुख्यमंत्री का पगड़ी पहनाकर एवं पीला चावल से तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम स्थल स्थित आदिवासी देवस्थल देवठाना में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाज के प्रतिनिधियों ने भी वृक्षारोपण किया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि कचना धुरवा की यह पवित्र भूमि आदिवासी समाज की आस्था, संस्कृति और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। उन्होंने गोंडवाना भवन के निर्माण के लिए समाज को बधाई देते हुए कहा कि यह भवन सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामुदायिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से बनी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी के अनुरूप निरंतर कार्य कर रही है। बीते ढाई वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा और जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में 18 लाख गरीब परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 10 लाख 60 हजार से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रतिदिन लगभग 1600 आवासों का निर्माण किया जा रहा है। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य मिल रहा है, तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपए प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा महतारी वंदन योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपए की राशि अंतरित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय गरियाबंद और बस्तर क्षेत्र नक्सलवाद की चुनौती से प्रभावित थे, लेकिन आज यहां शांति, सुरक्षा और विकास का वातावरण निर्मित हुआ है।

18 से 20 जून तक दुर्ग निगम में लगेगा तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर

- जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने विशेष अभियान,

दुर्ग (विश्व परिवार)। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे विश्वास के विकास के, जन कल्याण के अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा 18 जून से 20 जून 2026 तक तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर निगम के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार शिविर के सफल संचालन एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी के रूप में उप आयुक्त मोहन साहू तथा सहायक नोडल अधिकारी के रूप में कार्यपालन अभियंता प्रकाशचंद धवनी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिविर में नागरिकों को विभिन्न हितग्राही मूलक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा। आयोजन स्थल पर मंच, विद्युत एवं साउंड सिस्टम, पेयजल एवं अल्पाहार, साफ-सफाई, प्रचार-प्रसार, कंप्यूटर व्यवस्था, पंजीयन काउंटर, स्वागत, अतिथि सत्कार तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

दल्ली सिलिका रिडक्शन प्लांट ने रचा नया कीर्तिमान 20 लाख टन संचयी उत्पादन का आंकड़ा पार

रायपुर (विश्व परिवार)। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के भिलाई इस्पात संयंत्र अंतर्गत संचालित दल्ली मैकेनाइज्ड माइंस के सिलिका रिडक्शन प्लांट ने 4 जून 2026 को 20 लाख टन संचयी उत्पादन का महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर लिया है। लौह अयस्क संसाधनों के अधिकतम एवं दक्ष उपयोग की दिशा में इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

सिलिका रिडक्शन प्लांट का उद्घाटन 23 जून 2023 को किया गया था तथा इसका वाणिज्यिक उत्पादन अक्टूबर 2023 से प्रारंभ हुआ। संयंत्र ने संचालन शुरू होने के 563 दिनों के भीतर 7 मई 2025 को 10 लाख टन उत्पादन का आंकड़ा छू लिया था। इसके बाद अगले 10 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य मात्र 393 दिनों में प्राप्त कर संयंत्र ने अपनी बढ़ती उत्पादकता और परिचालन दक्षता का परिचय दिया है।

सिलिका रिडक्शन प्लांट, जिसे बेनीफिशिएशन प्लांट भी कहा जाता है, की स्थापना उच्च सिलिका युक्त एक मिलीमीटर से कम आकार के लौह अयस्क फाइंस के उन्नयन के लिए की गई है। अत्याधुनिक बेनीफिशिएशन तकनीक से सुसज्जित यह संयंत्र लौह अयस्क में मौजूद सिलिका की मात्रा को कम कर भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क उपलब्ध करा रहा है।

यह परियोजना सेल की उस दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके तहत निम्न श्रेणी के लौह अयस्क संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

जीएसटी कानून की सही जानकारी ही व्यापारियों की सबसे बड़ी सुरक्षाः अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन श्री सुरिन्दर सिंह, श्री जीवत बजाज, महामंत्री श्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जग्गी, श्री वासु माखीजा, श्री राम मंधान, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी एवं श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर स्थित प्रदेश कार्यालय, पगारिया कॉम्प्लेक्स, पंढरी में एक महत्वपूर्ण जीएसटी जागरूकता एवं अनुपालन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में व्यापारियों, उद्यमियों, करदाताओं, ट्रांसपोर्टर्स एवं विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर जीएसटी कानून, विभागीय जांच, नोटिस, समन, ऑडिट, फर्जी आईटीसी तथा व्यापारियों के कानूनी अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

स्वागत उद्बोधन प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन ने दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री श्री अवनीत सिंह द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता एवं प्रसिद्ध जीएसटी विशेषज्ञ सीए जितेन्द्र सिंह खनूजा का स्वागत प्रदेश चेयरमैन श्री जितेन्द्र दोशी एवं श्री विक्रम सिंहदेव द्वारा किया गया। स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान श्री जीवत बजाज एवं श्री सुरेन्द्र सिंह ने किया।

ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत नारायणी बहुभाषी संग्रहालय का हुआ सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। नारायणी बहुभाषी संग्रहालय, कुशालपुर, रायपुर के द्वारा लगभग 18 फिट लंबी हस्तलिखित जन्म कुंडली को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के कारण डॉ. गौरव कुमार सिंह जी, कलेक्टर, रायपुर के द्वारा सम्मानित किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रास भवन में 16 जून को हुए एक कार्यक्रम में इस सम्मान से संबंधित प्रमाण पत्र विगत दिनों संग्रहालय के राजेंद्र ओझा, डॉ. मृणालिका ओझा एवं त्रिभुवन राठोड़ जी ने प्राप्त किया।

ज्ञातव्य है कि नारायणी बहुभाषी संग्रहालय में करीब 70-80 भाषाओं के लगभग 200 कैलेंडर, 25-30 भाषाओं की 250 से अधिक पत्रिकाएं एवं लगभग 35-40 भाषाओं के समाचार पत्र संग्रहित किए गए हैं।

सेजबहार फेस-1 कॉलोनी की भूमि से गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने हटाया अतिक्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने सेजबहार फेस-1 कॉलोनी स्थित अपनी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अनधिकृत रूप से निर्मित सड़क को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। दीनदयाल आवास योजना के अंतर्गत कलेक्टर रायपुर के आदेश से दिनांक 03 फरवरी 2006 के माध्यम से ग्राम सेजबहार एवं ग्राम दतरेंगा की कुल 21.538 हेक्टेयर (लगभग 53.19 एकड़) भूमि मंडल को आवासीय परियोजना विकसित करने हेतु आवंटित की गई थी। इसमें ग्राम सेजबहार के खसरा क्रमांक 162/1 का भाग तथा ग्राम दतरेंगा के खसरा क्रमांक 341/1 एवं 341/3 की भूमि शामिल है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विधायक पुरंदर मिश्रा पहुंचे प्रबुद्धजनों के द्वार

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी विशेष संपर्क अभियान एवं बुद्धिजीवी संपर्क अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने भाजपा शंकर नगर मंडल के विभिन्न वार्डों का व्यापक दौरा कर क्षेत्र के प्रबुद्धजनों, बुद्धिजीवी वर्ग एवं प्रतिष्ठित नागरिकों से उनके निवास पर पहुंचकर आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर विधायक श्री मिश्रा ने सभी प्रबुद्धजनों को शाल, श्रीफल एवं भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रसाद भेंट कर सम्मानित किया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकसित भारत के संकल्प, सामाजिक समरसता, सुशासन, आत्मनिर्भर भारत और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि समाज के बुद्धिजीवी वर्ग के विचार, अनुभव एवं सुझाव किसी भी क्षेत्र के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय जनता पार्टी सदैव समाज के प्रत्येक वर्ग से संवाद स्थापित कर जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सामाजिक सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

पेशाब में रक्त को कभी नजरअंदाज क्यों नहीं करना चाहिए

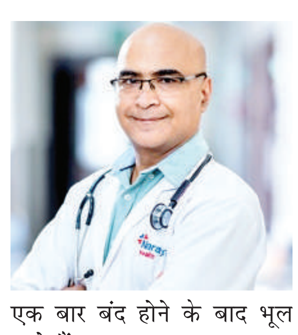

पेशाब में रक्त एक ऐसा लक्षण है जिसे बहुत से लोग नजरअंदाज कर देते हैं, विशेषकर तब जब यह बिना दर्द या परेशानी के होता है। कुछ लोग यह मान लेते हैं कि यह निर्जलीकरण, संक्रमण, दवाओं या अस्थायी जलन के कारण है और इसके अपने आप ठीक होने का इंतजार करते हैं। हालांकि, पेशाब में दिखाई देने वाला रक्त, जिसे चिकित्सीय भाषा में हेमट्यूरिया कहते हैं, कभी-कभी किडनी कैंसर या मूत्र मार्ग की अन्य गंभीर स्थितियों का प्रारंभिक चेतावनी संकेत हो सकता है। विश्व किडनी कैंसर दिवस पर यह जागरूकता फैलाना जरूरी है कि इस लक्षण को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और समय पर चिकित्सीय जांच क्यों अत्यंत आवश्यक है।

किडनी कैंसर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह अपने प्रारंभिक चरण में कोई लक्षण नहीं दिखाता। कई मामलों में, बिना दर्द के पेशाब में रक्त पहला ध्यान देने योग्य लक्षण बन जाता है। पेशाब गुलाबी, लाल या कोला के रंग जैसा दिख सकता है, और रक्तस्राव रुक-रुककर हो सकता है, जिससे मरीज इसे एक बार बंद होने के बाद भूल जाते हैं।

पेशाब के संक्रमण या किडनी की पथरी के विपरीत, जो अक्सर जलन या तीव्र दर्द के साथ होती हैं, किडनी कैंसर केवल रक्तस्राव के साथ प्रकट हो सकता है। कुछ मरीजों को एक तरफ पीठ में लगातार दर्द, अकारण वजन घटना, थकान या पेट में गांठ का अनुभव भी हो सकता है, लेकिन ये लक्षण आमतौर पर बाद के चरण में आते हैं। इसीलिए, पेशाब में रक्त के एक भी अकारण प्रकरण की चिकित्सीय जांच होनी चाहिए।

देर से निदान का एक बड़ा कारण यह है कि मरीज अक्सर बिना दर्द वाले लक्षणों की गंभीरता को कम आंकते हैं। कई लोग डॉक्टर से मिलने से इसलिए बचते हैं क्योंकि एक-दो दिन में रक्तस्राव बंद हो जाता है, जबकि अन्य लोग डर, जागरूकता की कमी या यह सोचकर कि स्थिति मामूली है, इलाज टाल देते हैं।कुछ मामलों में लोग बिना उचित जांच के खुद दवाएं लेते हैं या घरेलू उपाय अपनाते हैं। दुर्भाग्यवश, ऐसी देरी से बीमारी चुपचाप बढ़ती रहती है। उन्नत अवस्था में पकड़ में आने वाले किडनी कैंसर के लिए अधिक व्यापक उपचार की जरूरत पड़ सकती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
निविदा सूचना सं.: 110-06-पाइपलाइन-2026
दिनांक: 05.06.2026
कार्य का नाम: पारंपरिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव (WAG7) की न्यूमेटिक पाइपलाइन को बदलना, **मात्रा:** 40 लोको।
निविदा मूल्य: ₹47, 20,000/-
अग्रिम धन राशि: ₹94,400/-.
निविदा दस्तावेज की लागत: शून्य.
निविदा और समय की समाप्ति तिथि: दिनांक **27.06.2026** के **11.00** बजे तक.
इस निविदा के खिलाफ मैनुअल प्रस्ताव की अनुमती नहीं है और इस तरह के कोई भी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
उपरोक्त कार्य की अधिक जानकारी, पात्रता मानदंड एवं पूर्ण विवरण के लिए कृपया Sr. DME/DLS/SECR/रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा देखें या डाउनलोड करें।
वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी.एल.एस.),
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर
PR/R/SR.DME(DLS)/MS/91
South East Central Railway @secrail

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LIMITED
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) GSTN-22AADCC5773E1ZX CIN-U40108CT2003SGC015820
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (LINE) Block-4, Near CSPTCL Dispensary, Dagania, Raipur (C.G.)
Website: www.cspc.co.in E-Mail- ce.eht@cspc.co.in Phone no. 0771 – 2574221, 2574028 Fax No.2574222
No. 02-05/Pur /Tender-529/**616** Raipur, Dated **15/06/2026**
NOTICE INVITING TENDER (Through E- Bidding)
Sealed tenders are invited from eligible bidders for following supply work:-

Sl. No.	Tender No.	Particulars of works	Cost of Tender document (Rs) (Including GST @ 18%)	E.M.D. (in Rs.)	Due date of opening
1	Tender -529 RFx No.- 8100052250	Supply of Laser Printers with Scanners for implementation of e-office at various offices.	Rs 2000/-	Rs 6,400/-	13.07.2026 at 15:30 Hrs.

For all other details of NIT and terms & conditions, please visit our web site 'www.cspc.co.in/csptcl/tendernotices'.
//Save Elecatricity// samwad- 48177/3
EXECUTIVE DIRECTOR (LINE)
CSPTCL, Raipur

रायपुर नगर निगम में स्वनिधि महोत्सव का सफल आयोजन

- पथ विक्रेताओं को मिला सम्मान एवं योजनाओं की जानकारी
- बैंक अधिकारियों का हुआ सम्मान, त्वरित ऋण प्राप्त हितग्राहियों को धनादेश प्रदत्त किये गए

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा नगर निगम मुख्यालय परिसर में स्वनिधि महोत्सव का सफल आयोजन किया गया, जिसमें महापौर श्रीमती मीनल चौबे और नगर निगम शहरी गरीबी उपशमन और समाज कल्याण विभाग के अध्यक्ष श्री खेम कुमार सेन सम्मिलित हुए एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना प्रभारी अधिकारी नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ श्रीमती तृप्ति पाणिग्रही की उपस्थिति मंच पर रही।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभी महिलाओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ प्राप्त कर जीवन में आत्मनिर्भर और स्वावलम्बी बनने का प्रण लेवें। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नारी शक्ति के प्रति दिव्य सोच का परिचायक है। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओ के नवीन आवेदन , लाभान्वित पथ विक्रेताओं का सामाजिक आर्थिक प्रोफाइलिंग, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने हेतु पेटीएम के माध्यम से क्यू आर कोड का वितरण, लाभान्वित हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराना,उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम में रायपुर नगर पालिक निगम के अधिकारियों, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों एवं बड़ी संख्या में पथ विक्रेताओं ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

इस अवसर पर मंच पर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने एमआईसी सदस्य श्री खेम कुमार सेन की उपस्थिति में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में योगदान देने वाले बैंक अधिकारियों को सम्मान एवं त्वरित ऋण प्राप्त हितग्राहियों कोधनादेश प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभ, समय पर ऋण पुनर्भुगतान, डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने तथा योजना के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न प्रोत्साहनों की जानकारी दी गई। साथ ही हितग्राहियों को ऋण वितरण, डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय साक्षरता से संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

रायपुर नगर पालिक निगम की ओर से स्वनिधि महोत्सव में उपस्थित समस्त हितग्राहियों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने एवं स्वरोजगार को सशक्त बनाने की अपील की गयी।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 18 जून 2026

29 जून को रायपुर में लगेगी 'डाक अदालत'

रायपुर (विश्व परिवार)। डाक सेवाओं से जुड़ी उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमंडल, रायपुर द्वारा 29 जून 2026 को परिमंडल स्तरीय 'डाक अदालत' का आयोजन किया जाएगा। यह डाक अदालत सोमवार को शाम 4 बजे रायपुर के जय स्तंभ चौक स्थित रायपुर प्रधान डाकघर (जनरल पोस्ट ऑफिस) भवन की द्वितीय मंजिल में आयोजित होगी। डाक अदालत में डाक वस्तुओं के वितरण, काउंटर सेवाओं, लघु बचत योजनाओं, आवर्ती जमा (रिकरिंग डिपॉजिट), बचत बैंक खातों, बचत पत्रों आदि से संबंधित शिकायतों की सुनवाई कर उनका समाधान किया जाएगा

मुख्यमंत्री ने वार्ड क्रमांक 6 में मंगल भवन निर्माण की घोषणा कर क्षेत्रवासियों को दी महत्वपूर्ण सौगात

सीएम साय की उपस्थिति में नगर पंचायत शिवनंदनपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण संपन्न

- विकास और जनहित को मिलेगी प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (विश्व परिवार)। जिला सूरजपुर के नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर में प्रथम निर्वाचन प्रक्रिया के सफलतापूर्वक संपन्न होने के उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह 17 जून को आयोजित किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस गरिमामय समारोह में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती शिवानी जायसवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रितेश जायसवाल सहित सात पार्षदों को विधिपूर्वक पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने वाले पार्षदों में श्री श्यामू साहू, श्रीमती प्रमिला साहू, श्रीमती मंजू खेमचंद गोयल, श्रीमती अंजली राजवाड़े, श्रीमती वर्षा जायसवाल, श्री मनी बग्गा एवं श्री प्रशांत अग्रवाल शामिल रहे। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिवनंदनपुर को नगर पंचायत का दर्जा मिलने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों को जनता द्वारा दिए गए विश्वास के लिए बधाई देते हुए कहा कि अब उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने आह्वान किया कि जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाने तथा जिलेवासियों से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन एवं प्रशासन विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज कराने की अपील करते हुए कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली और उसके माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने नगर पंचायत शिवनंदनपुर के वार्ड क्रमांक 06 में मंगल भवन निर्माण की घोषणा कर क्षेत्रवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी, जिस पर उपस्थित नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

सभा को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रितेश जायसवाल एवं समस्त पार्षदों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर पंचायत शिवनंदनपुर का गठन क्षेत्रवासियों की दीर्घकालिक मांग एवं आकांक्षा की पूर्ति है, जो क्षेत्र को सुनियोजित एवं समग्र विकास की दिशा में अग्रसर करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शिवनंदनपुर में विकास की नई गाथा लिखी जाएगी तथा प्रदेश सरकार सभी के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। मंत्री श्री नेताम ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे आपसी समन्वय एवं सामूहिक संकल्प के साथ कार्य करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक सुनिश्चित करें और क्षेत्र को विकास का नया मानक स्थापित करने वाला नगर बनाएं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं समस्त पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि नगर पंचायत शिवनंदनपुर का गठन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की जनता को बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई परिषद आपसी समन्वय एवं सामूहिक प्रयासों से नगर के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य करेगी तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मार्शल आर्ट का पांच दिवसीय कराटे शिविर का हुआ समापन

कोरबा (विश्व परिवार)। कलचुरी मार्शल आर्ट एकेडमी द्वारा आत्मानंद पब्लिक स्कूल कटघोरा में 11 जून से 15 जून तक पांच दिवसीय कराटे शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम. एस. कवर प्राचार्य दृ आत्मानंद पब्लिक स्कूल एवं अध्यक्षता राज यादव यादव समाज प्रमुख, विशिष्ट अभ्यागत कन्हैया यादव गुरुजी ,मुख्य प्रशिक्षक से. शिवशंकर जायसवाल मार्शल आर्ट ब्लेक बेल्ट उपस्थित रहे। मंचस्थ अभ्यगतो द्वारा सभी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय जी प्रिंसिपल कवर ने कहा कि रामायण काल के समय जब हनुमान जी का दिव्य शक्ति समाप्त हो गया था ,उसे समय शत्रुओं से विजय पाने के लिए बहुत कठिनाई हो रहा था।

बीरगांव निगम ने दिया नो प्लास्टिक का संदेश, कपड़े के थैले अपनाने की अपील

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नागरिकों से प्लास्टिक कैरीबैग का उपयोग बंद कर कपड़े एवं जूट के थैलों को अपनाने की अपील की जा रही है।

इसी कड़ी में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 30 की श्रीजल महिला स्व-सहायता समूह द्वारा कपड़े के थैलों का निर्माण किया जा रहा है। इन थैलों पर नगर निगम एवं संबंधित वार्ड का नाम भी प्रदर्शित किया गया है, जिससे स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमजन तक पहुंचे। नगर निगम द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि स्वच्छता दीदियां घर-घर जाकर स्वच्छता संबंधी जागरूकता फैलाने के साथ-साथ नागरिकों को कपड़े के थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित करेंगी।इस अवसर पर महापौर श्री नंद लाल देवांगन, निगम आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा एवं कार्यपालन अभियंता श्री धन्नूलाल देवांगन ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए 50 से अधिक कपड़े के थैले क्रय किए। प्रत्येक थैले का मूल्य मात्र 30 रुपये है। अधिकारियों ने नागरिकों से प्लास्टिक की जगह कपड़े एवं जूट के बैग का उपयोग करने की अपील करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में निगम सचिव श्रीमती श्वेता अंबिलकर, उप अभियंता श्रीमती प्रभा टोप्पो, मनीराम साहू, विकास जांगड़े, सुधा तिवारी एवं निधि राजपूत सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महिला स्व-सहायता समूह के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए अपना सहयोग प्रदान किया।

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने टिकट चेकिंग स्टाफ को किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत टिकट चेकिंग स्टाफ को अप्रैल 2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन, सतर्कता एवं राजस्व अर्जन में उल्लेखनीय योगदान के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद द्वारा विभागीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि टिकट चेकिंग स्टाफ ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं सतर्कता के साथ करते हुए रेल राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका समर्पण और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। सम्मानित कर्मचारियों में शामिल हैं- श्रीमती आर. डी. बर्मन, उप मुख्य टिकट निरीक्षक (डिप्टी सीटीआई), दुर्ग। दुर्ग टिकट चेकिंग स्क्वाड स्टाफ के रूप में सर्वाधिक मामले पकड़ने एवं सर्वाधिक आय अर्जित करने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने टिकट चेकिंग के विभिन्न 653 मामलों का पता लगाकर ?3,15,070 का रेल राजस्व अर्जित किया। सुश्री सीमा सिंह, मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई), रायपुर रायपुर स्क्वाड में दूसरे स्थान पर रहते हुए सर्वाधिक मामले पकड़ने एवं उत्कृष्ट आय अर्जित करने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने टिकट चेकिंग के 485 मामलों से ?3,08,385 का रेल राजस्व अर्जित किया। श्री नीरज कांत, वरिष्ठ टिकट परीक्षक (सीनियर टिकट एग्जामिनर), दुर्ग. टिकट चेकिंग के 135 मामलों का पता लगाकर ?1,11,500 का रेल राजस्व अर्जित करने के लिए सम्मानित किया गया।

माना कैम्प में लोक कल्याण मेले का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पंचायत माना कैम्प जिला रायपुर द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडरों एवं फुटपाथ व्यवसायियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने हेतु 18 जून 2026 को प्रातः 10ः00 अजें से सभा कक्ष, नगर पंचायत माना कैम्प में लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में पात्र हितग्राहियों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न बैंको के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है, जिसमें हितग्राहियों के ऋण प्रकरणों का त्वारित निराकरण एवं स्वीकृति की कार्यवाही की जा सकें। नगर पंचायत माना कैम्प में सभी पात्र स्ट्रीट वेंडर, ठेला-गुमटी संचालक एवं फुटपाथ व्यवसायियों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

मोदी सरकार छत्तीसगढ़ के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धः देव

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने केंद्र सरकार द्वारा चाँपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना के लिए 755 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। श्री देव ने इस सौगात के लिए छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढाँचे) को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। चाँपा-कोरबा रेल मार्ग छत्तीसगढ़ के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण रेल खण्डों में से एक है। इस मार्ग पर तीसरी लाइन के निर्माण से क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि कोरबा छत्तीसगढ़ की ऊर्जा और औद्योगिक राजधानी है। तीसरी रेल लाइन बनने से कोयले, बिजली उत्पादन सामग्री और अन्य भारी उद्योगों के कच्चे माल का परिवहन बेहद आसान हो जाएगा। इससे उद्योगों की क्षमता बढ़ेगी और नए निवेश के रास्ते खुलेंगे।

एकल उपयोग प्लास्टिक के बहिष्कार पर जनजागरूकता लाने अभियान चलाया गया

रायपुर(विश्व परिवार)। मंडल मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के निर्देशानुसार तथा क्षेत्रीय अधिकारी श्री प्रकाश कुमार रबड़े के मार्गदर्शन में एकल उपयोग प्लास्टिक के बहिष्कार एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान शंकरनगर स्थित शंकरनगर विद्या स्कूल, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन केंद्र में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही उन्हें जूट के थैले भेंट कर प्लास्टिक थैलों एवं प्लास्टिक की झिल्लियों के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा इनके उपयोग से बचने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

मोदी सरकार के 12 वर्षः विश्वास, विकास और जनकल्याण की गौरवगाथा का साक्षी बनी प्रदर्शनीः केदार कश्यप

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने आज रायपुर टाउनहॉल में आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के विषयक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन कर उसका अवलोकन किया।

इस प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से अब तक देश में हुए ऐतिहासिक परिवर्तन, जनकल्याणकारी योजनाओं, आधारभूत संरचना के विस्तार, डिजिटल क्रांति, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण तथा जनजातीय उत्थान से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास और सुशासन के ऐसे नए आयाम स्थापित किए हैं, जिनकी कल्पना कभी कठिन मानी जाती थी। आज भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। देश में गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के जीवन में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन आया है। केंद्र सरकार की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनका लाभ सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री जनधन योजना तथा जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन को नई दिशा देने का कार्य किया है। आज देश का प्रत्येक वर्ग विकास यात्रा का सहभागी बना है।

जनता के द्वार पहुंची सरकारः धरसींवा में सेवा सदन विधायक कार्यालय का शुभारंभ, सीधे संवाद से दूर होंगी परेशानियां

- विधायक अनुज शर्मा की मौजूदगी में खनिज विकास निगम अध्यक्ष सौरभ सिंह ने किया शुभारंभ

धरसीवाँ (विश्व परिवार)। क्षेत्र की जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच सीधे संवाद और जनसमस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए आज धरसीवाँ विधानसभा में एक बड़ी शुरुआत हुई। आम जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए सेवा सदन (विधायक कार्यालय, धरसीवाँ) का भव्य शुभारंभ किया गया। इस कार्यालय का शुभारंभ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्रीं सौरभ सिंह के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस गौरवमयी अवसर पर धरसीवाँ के लोकप्रिय विधायक श्री अनुज शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सौरभ सिंह ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर कार्यालय का उद्घाटन किया। सेवा सदन के शुभारंभ का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की जनता को अपनी समस्याओं के लिए उन्हें भटकना न पड़े तथा उनके निकटतम स्थान पर ही निराकरण करना है। अब स्थानीय निवासी सीधे इस कार्यालय में आकर अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज करा सकेंगे, जिनका त्वरित निवारण सुनिश्चित किया जाएगा। यह सदन जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु का काम करेगा। इस गरिमामयी समारोह में केवल कार्यालय का उद्घाटन ही नहीं हुआ, बल्कि जनकल्याण और सम्मान की त्रिवेणी भी बही विधायक श्री अनुज शर्मा की अनुशंसा पर क्षेत्र के जरूरतमंदों, अस्वस्थ नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। धरसीवाँ क्षेत्र के विकास और सामाजिक कार्यों को मजबूत करने में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले क्षेत्र के प्रबुद्धजनों, वरिष्ठ नागरिकों और प्रबुद्ध विचारकों का शॉल व श्रीफल से भावभीना सम्मान किया गया। अब धरसींवा की जनता को अपने कामों के लिए रायपुर कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उनके विधायक अब उनके अपने क्षेत्र के सेवा सदन में मौजूद रहकर सीधे जनता की समस्याओं को सुनेंगे और उनका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करेंगे। इस उद्घाटन समारोह के साथ ही एक ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया गया। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा का ऐतिहासिक कार्यकाल पूर्ण करने पर यह विशेष प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354